डाक पंजीयन क्रं. छ.ग./दुर्ग/13/2024-26
आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

दैनिक
श्रमबिन्दु

प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव
भिलाई संस्करण
शनिवार 06 जुलाई 2024
वर्ष - 38, अंक - 08
पृष्ठ-8, मूल्य- 01 रूपए

38 वर्ष 1987-2023

भिलाई एवं रांची से एक साथ प्रकाशित समाचार पत्र...

Email- srambindu@gmail.com
shrambindu@yahoo.in

आप भी समाचार भेज सकते है
वाट्सअप: 8349764019
9098178627
srambindu.com

खास खबर...

2023-24 में भारत में हुआ 1.27 लाख करोड़ का रक्षा उत्पादन : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। देश में 2023-24 के वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन हुआ है। इस दौरान देश में 1.27 लाख करोड़ रुपये की कीमत के हथियार और रक्षा उपकरण बने हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि यह अब

तक का एक वित्तीय वर्ष में सबसे ज्यादा रक्षा उत्पादन है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान के तहत यह एक मील का पत्थर है। राजनाथ सिंह ने कहा सरकार भारत को एक शीर्ष वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मेक इन इंडिया कार्यक्रम साल दर साल नए मील के पत्थर पार कर रहा है। भारत ने 2023-24 में रक्षा उत्पादन में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। 2023-24 में 1,26,887 करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन हुआ, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 16.8 प्रतिशत ज्यादा है।' राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनियों और रक्षा उत्पादों का निर्माण करने वाली निजी क्षेत्र की कंपनियों को बधाई दी।

कार शोरूम में लगी भीषण आग, इलाके में दशहत...

रायपुर। राजधानी के तेलीबांधा क्षेत्र में स्थित मारुति कार के शोरूम में भीषण आग़ लग गई है। ये आग किन वजहों से लगी और कितने क्षेत्र में फैली है, फिलहाल इन सब बातों की जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि भवन से धुआं इतनी तेजी से निकल रहा है कि, आस पास के इलाके में दहशत का महौल बन गया है। बताया जा रहा है कि, शो रूम के वाहन सर्विसिंग करने वाले जगह की ओर ये आग़ लगी है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र का यह मामला है। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी गई है।

ब्रिटेन चुनाव: पीएम सुनक की हार, लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर की जबर्दस्त जीत

श्रमबिन्दु / रायपुर

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की अगुवाई में चुनाव लड़ी कंजर्वेटिव पार्टी 119 सीटें ही जीत सकी है. प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए आम चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली है. इस चुनाव में भारतीय मूल के भी कई उम्मीदवार मैदान में थे जिनमें एक नाम खुद ऋषि सुनक का है. ब्रिटेन के आम चुनावों में किएर स्टार्मर की लेबर पार्टी ने प्रचंड जीत हासिल की है. 14 साल विपक्ष में बैठने के बाद लेबर पार्टी की सत्ता में वापसी हुई है. हाउस ऑफ कॉमंस की 650 सीटों के लिए हुए चुनाव में से 641 सीटों के नतीजे आ चुके हैं. किएर स्टार्मर की अगुवाई में चुनाव मैदान में उतरी मुख्य विपक्षी पार्टी लेबर पार्टी को इन 641 में से 410 सीटों पर जीत मिली है।

वहीं प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की अगुवाई में चुनाव लड़ी कंजर्वेटिव पार्टी 119 सीटें ही जीत सकी है. प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए आम चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली है. इस चुनाव में भारतीय मूल के भी कई उम्मीदवार मैदान में थे जिनमें एक नाम खुद ऋषि सुनक का है. आइए जानते हैं कि भारतीय मूल के ये 10 कैंडिडेट अपनी सीट बचा पाए या नहीं.

ब्रिटेन के निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी भले चुनाव हार गई हो लेकिन सुनक अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे. रिचमंड एंड नॉर्थएलर्टन सीट से चुनाव लड़ रहे ऋषि सुनक को 47.5 प्रतिशत वोट मिले. उन्हें 23,059 वोट मिले. दूसरे नंबर पर रहे लेबर पार्टी के टॉम विल्सन को 10,874 यानी 22.4 प्रतिशत वोट मिले।

बर्मिंघम एजबेस्टन सीट से लेबर पार्टी की प्रीत कौर गिल ने जीत हासिल की है. प्रीत कौर गिल ने 16,599 यानी 44.3 प्रतिशत वोट हासिल किए. दूसरे नंबर पर रहे कंजर्वेटिव उम्मीदवार अश्विर संघा को 8,231 वोट मिले. दोनों के बीच हार-जीत का अंतर 8 हजार से अधिक वोटों का रहा.

प्रीती पटेल ने अपनी सीट विथम (एसेक्स) सफलतापूर्वक बचा ली. उन्होंने 37.2 प्रतिशत वोट हासिल किए और लेबर पार्टी के उम्मीदवार को पीछे छोड़ दिया. गुजराती मूल की राजनेता 2019 से 2022 तक ब्रिटेन की गृह मंत्री रह चुकी हैं.

लेबर पार्टी की बंपर जीत के बावजूद साउथ वेस्ट हर्ट्स ने कंजर्वेटिव उम्मीदवार गगन मोहिंदरा को एक बार फिर से चुना है. गगन मोहिंदरा ने 16,458 वोटों के साथ जीत हासिल की जबकि लिबरल डेमोक्रेट सैली सिमिंगटन 12,002 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं. लेबर पार्टी के एलेक्स सुफ्फि 9,637 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे.

लेबर पार्टी के कनिष्क नारायण अलुन केर्न्स को हराकर अल्पसंख्यक बैकग्राउंड से आने वाले वेल्श के पहले सांसद बने हैं. नारायण का जन्म भारत में हुआ था और जब वह 12 साल के थे तब कार्डिफ चले गए थे. वह स्कॉलरशिप पर ईटन चले गए और सिविल सर्वेंट बनने से पहले उन्होंने ऑक्सफ ोर्ड और फि र स्टैनफोर्ड में पढ़ाई की. स्टॉकपोर्ट से लेबर पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाले मौजूदा सांसद नवेंदु मिश्रा ने अपनी सीट से जीत हासिल की है. नवेंदु मिश्रा को 21,787 वोट मिले. 2019 में पहली बार स्टॉकपोर्ट सीट जीतने के बाद उन्हें इस निर्वाचन क्षेत्र का दोबारा प्रतिनिधित्व करने का एक और अवसर दिया गया था. लेबर पार्टी की सदस्य लिसा नंदी ने 19,401 वोटों के साथ अपनी विगन सीट बरकरार रखी, जो 2014 से उनके पास है. रिफॉर्म यूके के उम्मीदवार एंडी डॉबर 9,852 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे. कंजर्वेटिव उम्मीदवार हेनरी मिटसन को सिर्फ 4,310 वोट मिले।

कोरबा-सक्ती जिले में 9 लोगों की मृत्यु पर सीएम साय ने जताई संवेदना

श्रमबिन्दु / रायपुर

कोरबा जिले में कुएं में जहरीली गैस से 4 लोगों की और सक्ती जिले में 5 लोगों की मृत्यु पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा दुख व्यक्त किया है तथा पीड़ित परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिवारजनों को 9-9 लाख रुपए की सहायता राशि देने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये हैं। इसमें से 4-4 लाख रुपए आरबीसी छह-चार के अंतर्गत तथा मुख्यमंत्री की ओर से 5-5 लाख रुपए की सहायता राशि शामिल है। उल्लेखनीय है कि सक्ती जिले में कुएं में हुए रिसाव में पिता और दो पुत्रों सहित पांच लोगों की मौत हुई जबकि कोरबा में पिता और बेटी समेत चार लोगों की मृत्यु हुई।

शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में EOW ने बड़ी कार्रवाई की है. आरोपी अनवर ढेबर के पिता के धनेली स्थित खेत में गड़ा नकली होलोग्राम का जखीरा बरामद किया है. सबूत मिटाने के लिए नकली होलोग्राम को जलाने की आशंका जताई जा रही है. इस मामले में ईओडब्ल्यू ने 3 आरोपियों को हिरासत में लिया है. आरोपी अनुराग द्विवेदी, अमित सिंह, दीपक द्वारी से ईओडब्ल्यू पूछताछ करेगी, जिसमें बड़ा खुलासा हो सकता है. बताया जा रहा कि अमित सिंह गिरफ्तार अरविंद सिंह का भतीजा है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला के लिए नकली होलोग्राम का प्रयोग किया गया था. इस मामले की ईडी के बाद एसीबी भी जांच कर रही है. इस मामले में एसीबी ने हाल ही में 10 हजार से अधिक पन्नों का चालान कोर्ट में पेश किया है. अफसरों के अनुसार दोनों एजेंसियों की लंबी जांच के बावजूद अब तक नकली होलोग्राम किसी के हाथ नहीं लगा था।

अगस्त तक तैयार होगा रायपुर-हैदराबाद एक्सप्रेसवे

श्रमबिन्दु / रायपुर

रायपुर से हैदराबाद के लिए नया एक्सप्रेस वे तैयार किया जा रहा है। इसके बनने से दूरी कम होने के साथ ही अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इस एक्सप्रेसवे के जरिए रायपुर से हैदराबाद सिर्फ चार घंटों में पहुंच सकेंगे साथ ही दोनों शहरों के बीच आर्थिक गतिविधि भी बढ़ेगी। आइए जानते हैं कि यह एक्सप्रेसवे कब जनता के लिए कब शुरू होगा और इस कनेक्टिविटी से होने वाले लाभ...।

रायपुर हैदराबाद एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 568 किमी है। यह चार से छह लेन में तैयार हो रहा है। यह एक्सप्रेसवे छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना को आपस में जोड़ने

का काम करेगा। रायपुर से हैदराबाद जाने के लिए 780 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। नया एक्सप्रेस वे बनने के बाद सीधे ढाई सौ किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। यह एक्सप्रेसवे अनुमानित 3,178 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय स्पेल बी कम्पीटीशन में कु. अनन्या को मिला स्वर्ण पदक

श्रमबिन्दु / रायपुर

दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा कु. अनन्या श्रीवास्तव अंतर्राष्ट्रीय स्पेल बी कम्पीटीशन जिसे अंतर्राष्ट्रीय लेवल ओलम्पियाड (2023-24) जिसे हमिंग बर्ड एजूकेशन लिमिटेड ने आयोजित किया था जिसमें जोनल लेवल में 22 वां एवं राष्ट्रीय स्तर पर 72 स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर कु. अनन्या श्रीवास्तव को स्वर्ण पदक एवं 1000 रू. नगद प्रदान कर हमिंग बर्ड की ओर से सीईओ पीयूष खन्नी ने पुरस्कृत किया है। कु . अनन्या एम्स के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. चंद्रशेखर श्रीवास्तव की सुपुत्री एवं सेनि संयुक्त संचालक बीबीएल श्रीवास्तव की पोती है।

अपने स्कूल पहुंचकर सीएम साय ने याद किए पुराने दिन, कहा- शिक्षा से बहुत कुछ बदलता है

श्रमबिन्दु / रायपुर

राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव के मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ग्राम बगिया के उसी स्कूल कैंपस में पहुंचे जहां कई बरस पहले उन्होंने अपनी पांचवी कक्षा की पढ़ाई की थी। उन्होंने बताया कि स्कूल को साफ-सुथरा रखने हम लोग घर से गोबर लाकर लिपाई करते थे। स्कूल के रखरखाव की पूरा गांव चिंता करता था और छत की मरम्मत गांव वाले मिलकर करते थे। टाटपट्टी भी नहीं थी, घर से बोरी लेकर आते थे, सीसी रोड भी नहीं था। पांचवी बोर्ड का सेंटर भी नहीं था और सेरामोंगरा जाना पड़ता था।

चूंकि शिक्षा हमारे विकास का मूलमंत्र है अतएव इसकी बेहतरी के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जशपुर में दिव्यांग आदर्श आवासीय विद्यालय की घोषणा के साथ ही ग्राम बगिया और बंदरचुआ के स्कूल को आदर्श विद्यालय बनाने की घोषणा भी की।

स्कूलों में न्योता भोज का आयोजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूलों में न्योता भोज का आयोजन भी किया जा रहा है। कोई भी अपने जन्मदिन और अन्य विशेष दिन में स्कूली विद्यार्थियों को न्यौता भोज दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के पदमश्री श्री जागेश्वर यादव को मंच पर अपने पास बुलाकर कहा कि इन्होंने हॉफपेंट पहनकर और बिना चप्पल पहने विशेष पिछड़ी जनजाति के पहाड़ी कोरवा, बिरहोर जनजाति समाज की निरंतर सेवा की।

सच्चे संकल्प से किए प्रयत्न से मिलती है सफलता

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि सच्चे संकल्प के साथ किये गये प्रयत्न से निश्चित ही सफलता मिलती है। आज जिस स्कूल में खड़े हैं इसी स्कूल से अपनी प्राथमिक शिक्षा पूरी की है और प्रदेश का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे समय भी संसाधन कम थे लेकिन मेरी मां ने मुझे हमेशा पढ़ने के लिए प्रेरित किया। समाज को बदलने का एकमात्र माध्यम शिक्षा है। इस मौके पर सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि सरकार बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए सभी सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। आप खूब पढ़े और आगे बढ़ें।

हमारी सरकार ने शिक्षा के विकास को आगे बढ़ाया

सीएम साय ने कहा कि हमारी सरकार ने नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के विकास को आगे बढ़ाया है। इससे अब साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित होगी। इससे विद्यार्थियों को अपनी दक्षता सुधारने का बेहतर अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों की समझ और ज्ञान को विकसित करने किताबों में उनकी स्थानीय भाषाओं का समावेश किया गया है। शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने राज्य में 211 पीएमश्री विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। समर कैंप का आयोजन कर विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और आगे बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने मंच से सभी को बताया कि 6 अगस्त को सभी स्कूलों में पीटीएम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बच्चों के अभिभावकों को शिक्षक बताएंगे कि उनके बच्चे कैसे पढ़ाई करते हैं।

पेरिस ओलंपिक के लिए रवाना होने से पहले पीएम मोदी से मिले खिलाड़ी

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की रवानगी से पहले पीएम मोदी ने उनसे शुक्रवार को खास मुलाकात की और उन्हें विजय मंत्र दिया। भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बार वे तोक्यो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारत ने तोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे जिनमें नीरज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया स्वर्ण पदक भी शामिल है।

पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा, मुक्केबाज निकहत जरीन और ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु से वर्चुअल बातचीत भी की। इसके अलावा उन्होंने ओलंपिक के लिए पहली बार जाने वालों को विजय-मंत्र दिया। पीएम ने कहा, आप ओलंपिक में जाने और जीतने के मूड में हैं और मैं आपके जीतने के बाद वापस आने पर आपका स्वागत करने के मूड में हूं। मेरी कोशिश है कि मैं खेल जगत से जुड़े हमारे देश के सितारों से मिलता रहूं, नई चीजें सीखता रहूं और उनके प्रयासों को समझता रहूं और सरकार के तौर पर अगर व्यवस्था में कुछ बदलाव की जरूरत है, कुछ प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है तो मैं इस दिशा में काम करता रहता हूं। मेरी कोशिश है कि सभी से सीधा संवाद हो। पीएम मोदी ने आगे कहा, हम खेलने जा रहे हैं, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं। ओलंपिक भी सीखने का एक बहुत बड़ा क्षेत्र है... जो सीखने की प्रवृत्ति के साथ काम करता है, उसके लिए सीखने के अनेक अवसर हैं। जो शिकायत में जीना चाहते हैं, उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है...हमारे जैसे देशों से लोग वहां जाते हैं, उन्हें अनेक कठिनाइयों और असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके दिल में उनका देश और उनका तिरंगा झंडा होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार भी आप खेल के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करेंगे। इस दौरान पीएम ने शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से बातचीत की। सिंधु ने कहा, मैं तीसरी बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हूं। मैंने 2016 में रजत पदक जीता था और 2020 में मैंने कांस्य पदक जीता। मुझे इस साल पदक का रंग बदलने की उम्मीद है, मुझे इस साल एक और पदक की उम्मीद है। इसके अलावा पीएम ने पेरिस ओलंपिक में भाग लेने से पहले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से भी चर्चा की।

पीएम मोदी ने आगे कहा, इस बार भी हमने खिलाड़ियों की सुविधा के लिए कुछ नया करने का प्रयास किया है। हमने वहां भारतीय समुदाय को थोड़ा सक्रिय करने का प्रयास किया है ताकि वो हमारे खिलाड़ियों से और ज्यादा जुड़ें...मैं अपनी तरफ से आपको शुभकामनाएं देता हूं और मैं आप लोगों का इंतजार करूंगा...मैं कोशिश करूंगा कि 15 अगस्त को जब लाल किले पर कार्यक्रम हो तो आप लोग भी वहां मौजूद रहें।

ये गुरूजी तो बेवड़े हैं, पड़े रहते हैं मदमस्त होकर, पढ़ाते नहीं!

शिक्षक को हटाने ग्रामीणों ने बीईओ को सौंपा ज्ञापन

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

बकावंड। विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत धनपुर के अंतर्गत प्राथमिक शाला पटेल पारा के शिक्षक श्याम सिंह नेताम पर शराब के नशे में स्कूल आने और पड़े रहने तथा बच्चों को नहीं पढ़ाने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। इस शिक्षक के खिलाफ ग्रामीण अब लामबंद हो गए हैं। उन्हें हटाने के लिए ग्रामीणों ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी को आवेदन दिया है। शिक्षक को न हटाने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

ग्रामीणों ने आवेदन में आरोप लगाया है कि उक्त शिक्षक रोज शराब का सेवन कर स्कूल आते हैं। उनके इस कृत्य से स्कूल परिसर का माहौल खराब हो रहा है, बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। ये शिक्षक बच्चों को पढ़ाते भी नहीं हैं। ग्रामीणों ने कई बार शिक्षक को समझाया लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ

रहे हैं और हमेशा शराब का सेवन करके स्कूल आते हैं। इनकी शिकायत कई बार ग्रामवासियों ने संकुल स्रोत समन्वयक से भी कर चुके हैं, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई, तो आज समस्त ग्रामवासियों ने खंड शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास मिश्रा के कार्यालय में आकर ज्ञापन सौंपा और कहा कि इस शिक्षक का जल्द से जल्द दूसरी जगह तबादला करवा कर और उनकी जगह दूसरे शिक्षक की व्यवस्था करें। पालकों ने बच्चों के भविष्य पर चिंता जताते हुए कहा है कि जल्द से जल्द नए शिक्षक की नियुक्ति करवाई जाए वरना ग्राम पंचायत में आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी से इस की शिकायत की जाएगी। अगर अब कोई कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

[खास खबर]

नेता प्रतिपक्ष को कक्ष देने कांग्रेस पार्षदों का प्रदर्शन

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

आज जगदलपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष उदयनाथ जेम्स के लिए नगर निगम कार्यालय में अलग से कक्ष देने की मांग को लेकर नगर निगम आयुक्त व महापौर के विरुद्ध नगर निगम परिसर में समस्त कांग्रेस पार्षदो ने धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के दौरान पार्षदों ने बताया कि नगर निगम जगदलपुर में आयुक्त की मनमानी व बीजेपी में शामिल महापौर द्वारा लगातार कांग्रेसी पार्षदों के साथ भेदभाव का सिलसिला जारी है। वहीं नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष को अलग से कक्ष देने हेतु निगम आयुक्त व महापौर का कोई जवाब नहीं मिल रहा है। जबकि नेता प्रतिपक्ष चुनने के पश्चात अतिरिक्त कक्ष देना निगम की देना है और निगम आयुक्त व महापौर का भेदभाव साफ दर्शाता है कि इन्हें कांग्रेस के पार्षदों से कोई मतलब नहीं है। कुल मिलाकर भेदभाव की राजनीति की जा रही है,जिसको लेकर आज नगर निगम परिसर में धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के सभी पार्षद मौजूद रहे।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला शेरपार में सरपंच खिलेश्वरी गुनेंद्र ने रोपे पौधे

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 5 जुलाई 2024 को प्रदेश के सभी स्कूलों में वृहद वृक्षारोपण करने हेतु आदेशित किया गया था, जिसके तहत पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने की दिशा में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला शेरपार में वृक्षारोपण कार्य किया गया। इस मौके में मुख्य अतिथि के रूप में खिलेश्वरी गुनेंद्र सरपंच ग्राम पंचायत शेरपार व विशिष्ट अतिथि मनीराम नेताम उप सरपंच, जेआर साहू संकुल समन्वयक शेरपार, चंपा बाई मंडावी पंच, कमलकांत नेताम प्रधान पाठक प्राथमिक शाला अंगारा, पृथ्वीपाल आचले सचिव ग्राम पंचायत शेरपार उपस्थित थे।

सरपंच खिलेश्वरी गुनेंद्र ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष हमारी संस्कृति और हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। ये स्वच्छ पर्यावरण और पृथ्वी पर पर्यावरण संतुलन हेतु आवश्यक है। वृक्ष लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी होगी, हमारे वनांचल क्षेत्र में वृक्षों की पूजा भी की जाती है। उप सरपंच मनीराम नेताम ने कहा कि प्राकृतिक वातावरण को बचाए रखने के लिए वृक्षारोपण अवश्य है। अगर समय रहते प्रकृति को नहीं बचाया गया तो आने वाले दिनों में पृथ्वी पर निवास करने वालों को जल संकट व वायु संकट से जूझना पड़ेगा। हम सभी को मिलजुल कर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। प्रधान पाठक होम कुमार टांडिया ने कहा कि पर्यावरण को प्रदूषण से रोकना है तो पेड़-पौधे लगाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर पेड़ पौधे लगाना अति आवश्यक है ओर दूसरी ओर पेड़ पौधों से हमें फ्ल और छांव मिलते हैं। पेड़ पौधों से ही विभिन्न प्रकार की औषधियां मिलती है। चाहे कोई भी दवा हो, कहीं ना कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वनस्पतियों से जुड़ी हुई होती है। शिक्षक आधार सिंह कुमेटी ने कहा कि पेड़ पौधे इस धरा के अनमोल आभूषण हैं। उनसे ही मनुष्य का जीवन आगे बढ़ता है इनके अभाव में जीवन संभव नहीं है प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि पेड़ पौधे अवश्य लगाए तथा साथ ही उनकी रक्षा भी अवश्य करें। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला शेरपार में वृक्षारोपण के मौके पर सरपंच खिलेश्वरी गुनेंद्र, उप सरपंच मनीराम नेताम, जेआर साहू संकुल समन्वयक, पृथ्वीपाल आंचले पंचायत सचिव पंच चंपाबाई मंडावी, कमलकांत नेताम प्रधान पाठक प्राथमिक शाला अंगारा, होम कुमार टांडिया प्रधान पाठक शेरपार, आधार सिंह कुमेटी शिक्षक, शंकर साहू शिक्षक, दीपक कुमार भृत्य सहित ग्रामवासी व स्कूली बच्चे उपस्थित थे। यह जानकारी शंकर साहू शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला शेरपार ने दी।

बस्तरिहा युवा भी रखते हैं आसमां छूने की ताकत, इतिहास रच गया शौर्य स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट

घोर नक्सल प्रभावित गांवों के खिलाड़ियों ने भी दिखाया टूर्नामेंट में दम , रंग ला रही है सुरक्षा बलों और पुलिस की पहल

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। शौर्य स्मृति कप दंतेवाड़ा 2024 क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन धूमधाम से हुआ। दंतेवाड़ा जिले को नक्सलमुक्त करने के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों की स्मृति में पुलिस एवं जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित शौर्य स्मृति कप क्रिकेट टूर्नामेंट इतिहास रच गया। यह टूर्नामेंट सिर्फबस्तर संभाग या छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश के उन तमाम राज्यों के लिए नजीर बन गया, जो नक्सलवाद और आतंकवाद की चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

नक्सलवादियों की भड़काऊ और गुमराह करने वाली बातों को सिरे से खारिज करते हुए घोर नक्सल प्रभावित गांवों के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों ने भी इस टूर्नामेंट में हिस्सेदार बनकर साबित कर दिया कि वे भी अपने गांव या इलाके से इतर शेष दुनिया का हिस्सा बनना चाहते हैं, आसमां छूने की ताकत और जज्बा हममें भी है और हम भी पूरी दुनिया को दिखा देना चाहते हैं कि हम बस्तरिहा भी किसी से कम नहीं हैं।

बता दें कि सिविक एक्शन के तहत यह टूर्नामेंट आयोजित किया गया था।आयोजन का मुख्य उद्देश्य दंतेवाड़ा जिले के दूरस्थ अंदरूनी ग्रामों के युवाओं और ग्रामीणों में शासन, प्रशासन, पुलिस और सुरक्षा बलों के प्रति विश्वास का बीजरोपण करना और खेल भावना जगाना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना था। यह उद्देश्य निसंदेह फलीभूत हुआ है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया। बड़ी बात तो यह है कि इसमें दंतेवाड़ा जिले के मालेवाही, अरनपुर, मार्जुम, नीलायवा, नहाड़ी, आरबे, तुमनार, तुमरीगुंडा, एयरपुंड पूरनतराई, पोंदुम जैसे सुदूर एवं अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित गांवों के खिलाड़ियों ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इन खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर साबित कर दिया कि नक्सली उनकी राह में कितनी भी रुकावट डालें हम आसमां छूकर ही दम लेंगे। टूर्नामेंट के दौरान विभिन्न जागरूकता अभियान भी चलाए गए। इसके तहत नक्सल समर्पण नीति व लोन वर्राटू अभियान के तहत समर्पण करने पर मिलने वाली सुविधाओं, नियद नेल्लनार के तहत ग्रामों में सुविधाओं के विस्तार, साइबर जागरूकता, यातायात नियमों की जानकारी, अभिव्यक्ति ऐप, नवीन कानून की जानकारी साझा की गई।

मैच का सीधा प्रसारण

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, नंदलाल मुड़ामी प्रदेश महासचिव अनुसूचित जनजाति मोर्चा भाजपा, कमलोचन कश्यप डीआईजी दंतेवाड़ा रेंज, मयंक चतुर्वेदी जिलाधीश दंतेवाड़ा, गौरव राय पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा, कुमार बिश्वरंजन सीईओ जिला पंचायत दंतेवाड़ा, स्मृतिक राजनला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं श्रीराम बर्मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा, नसरूल्लाह सिद्दीकी उप पुलिस अधीक्षक, आशीष कुमार नेताम उप पुलिस अधीक्षक, सुशील नौटियाल रक्षित निरीक्षक दंतेवाड़ा एवं जिले के गणमान्य नागरिक एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे। इस टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण क्रिक हीरोज ऐप एवं यूट्यूब पर किया गया, जिसे 16 हजार से अधिक दर्शकों द्वारा देखा गया।

गीदम ने जीता टूर्नामेंट

टूर्नामेंट का फाइनल मैच गीदम और डीआरजी के मध्य खेला गया। डीआरजी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 12 ओवर में 8 विकेट खोकर 64 रन बनाए, और गीदम की टीम को 65 रनो का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गीदम की टीम को शुरुआती झटके लगे पर उसके बाद गीदम के बल्लेबाज देवेंद्र कश्यप एवं आशीष मंडावी ने पारी को संभाल लिया और वे अपनी टीम को जीत की ओर ले गए। इस रोमांचक मुकाबले को गीदम की टीम ने 1 बॉल शेष रहते 6 विकेट से अपने नाम कर लिया।

पहला पुरस्कार था 2 लाख

बता दें कि इस टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 2 लाख रुपए व कप एवं द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपए व कप था। साथ ही बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, मैन ऑफद सीरीज को ट्रॉफी और मॉडर्न साइकिल दी गई। फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच का खिताब गीदम के अनिल को दिया गया। अनिल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट झटके थे। टूर्नामेंट के बेस्ट बैट्समैन किरंदुल के गौरव चौहान रहे। वहीं बेस्ट बॉलर का खिताब डीआरजी के लोकेश ठाकुर ने अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट के मैन ऑफद सीरीज का खिताब पुलिस लाइन टीम के रवि ठाकुर ने अपने नाम किया, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में हरफनमौला खेल दिखाया।फाइनल मैच से पहले जनप्रतिनिधि इलेवन और जिला प्रशासन एवं पुलिस इलेवन के मध्य सद्भावना मैच खेला गया, जिसमे प्रशासन ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 10 ओवर में 67 रन बनाए। जनप्रतिनिधि इलेवन ने इस मैच को अंतिम ओवर की एक गेंद रहते 2 विकेट से जीता।

बड़े पद पर रहते हुए भी अपनी परंपरा और संस्कृति से बंधी रहीं डॉ. करुणा मरावी

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

गोंडवाना समाज समन्वय समिति जिला बस्तर जगदलपुर द्वारा मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में पदस्थ सहायक प्राध्यापक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. करुणा मरावी को विदाई दी गई।

स्थानीय गोंडवाना समाज भवन में कार्यक्रम आयोजित कर गुरुवार शाम को मेडिकल कॉलेज में पदस्थ असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर करुणा मरावी का नियमित सहायक प्राध्यापक के रूप में संघ लोकसेवा आयोग मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश के लिए चयनित होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर गोंडवाना समाज समन्वय समिति के जिला अध्यक्ष तिरुमाल नकुल सिंह सेवता, महिला प्रभाग अध्यक्ष शीतला कोर्राम, कोषाध्यक्ष दीपा मांझी, डॉ. आरकेएस राज सोरी, नरेश मरकाम, सुखलाल नेताम, श्याम नेताम, रामेश्वरी सोरी, अंबिका ध्रुव, नीरज कुंजाम, आदि उपस्थित थे। जिला अध्यक्ष नकुल सिंह सेवता ने डॉ. करुणा मरावी को बधाई देते हुए कहा कि आप जहां पर भी अपनी शासकीय सेवा रहें, वहां पर आदिवासी समाज की निरंतर सेवा करने के साथ ही समाज से जुड़े रहें। साथ ही सेवता ने कहा कि गोंडवाना समाज समन्वय समिति बस्तर जिला आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। उन्होंने बड़े ओहदे पर रहते हुए भी अपनी सामाजिक संस्कृति और परंपराओं से डॉ. करुणा मरावी के जुड़े रहने को सभी के लिए प्रेरणा दायक बताया।मंच संचालन करते हुए माखन लाल सोरी ने कहा कि डॉ. करूणा मेरावी ने अल्प सेवाकाल में ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं समाज के लिए अलग अंदाज़ से काम करते हुए अपनी विशेष पहचान बनाई यह अनुकरणीय है। शीतला कोर्राम ने कहा कि समाज में बच्चों को ऐसे निस्वार्थ सेवा भावी डाक्टरों के बारे में जानकारी देना चाहिए ताकि उनसे प्रेरणा मिले। दीपा मांझी ने डॉ. मरावी की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सर्व आदिवासी समाज द्वारा आयोजित प्रथम निशुल्क मेडिकल कैंप का जिक्र किया और कहा कि इस कैंप के आयोजन में डॉ. करूणा की भूमिका महत्त्वपूर्ण थी और भी कैंप करने पर विचार किया गया था, लेकिन आप बस्तर छोड़कर जा रही हैं। मंच पर अंबिका ध्रुव, डॉ राज सोरी, नरेश मरकाम नीरज कुंजाम श्याम नेताम रामेश्वरी सोरी ने भी बात रखते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में डॉक्टर करूणा मरावी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि बस्तर बहुत सुंदर है यहां के आदिवासी समाज के लोग बहुत सरल सीधे हैं बस्तर छोड़कर जाना मेरे लिए बहुत कठिन है लेकिन जीवन में कुछ पाने के लिए कुछ त्याग भी करना पड़ता है। बस्तर से दूर जरूर जा रही हूं परंतु सोशल मीडिया और दूरभाष के माध्यम से लगातार आपके संपर्क में रहूंगी और बस्तर के लिए जो भी संभव हो सकता है खासकर सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागिता और मार्गदर्शन के लिए यथासंभव जो भी हो पाएगा वह बराबर बना रहेगा और साल में एक या दो बार बस्तर जरूर आऊंगी। बस्तर की अंदरूनी क्षेत्रों में मेडिकल कैंप करके स्थानीय लोगों की सेवा करने का जो सपना था वह अधूरा जरूर है और इसके लिए मेरे जूनियर मेडिकल स्टूडेंट लोग इस अधूरे मिशन को जरूर लगातार करते हुए पूरा करेंगे इसका मुझे विश्वास है। इतने कम समय में गोंडवाना समाज समन्वय समिति बस्तर के सभी सगा सिपाहियों से प्रत्यक्ष मुलाकात नहीं कर पाई इसका मलाल रहेगा परन्तु आप सभी के साथ अप्रत्यक्ष रूप से शामिल रहेगें। डॉक्टर करूणा मेरावी ने अपने ग्रामीण परिवेश से शिक्षा प्राप्त करते हुए सफलता के बारे में बताया कि अपने समाज परिवार के बड़ों के मान सेवा समर्पण करते हुए ही सफल होना आत्म संतुष्टि प्रदान करता है यही सबसे बड़ी अमूल्य पूंजी है। डॉक्टर करूणा ने गोंडवाणा समाज समन्वय स्थापित समिति बस्तर जिला के द्वारा उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह के लिए सहृदय आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। अंत में नरेश मरकाम द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

रुक्मणि तो सज्जन है, फिर दुर्जन कौन? अब होगी इसकी जांच

जिला दंडाधिकारी ने परियोजना अधिकारी के कृत्य को माना अवमानना, एसडीएम तोकापाल को मामले की जांच के आदेश

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। बस्तर जिले के बास्तानार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरगाली के आश्रित ग्राम पुसेम की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रुक्मणि तो सज्जन साबित हो गई हैं। फिर उनकी बर्खास्तगी की व्यूहरचना करने वाला दुर्जन कौन है? अब इसकी जांच होगी। पुसेम गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रुक्मणि सज्जन को तथाकथित शिकायत के आधार पर बर्खास्त कर दिया गया था। रुक्मणि सज्जन पर आरोप लगाया गया था कि वे आंगनबाड़ी केंद्र को अक्सर बंद रखती हैं और बच्चों का ध्यान नहीं रखतीं।

शिकायत पत्र में जिन ग्रामीणों के नाम और उनके तथाकथित हस्ताक्षर थे, उन ग्रामीणों ने शपथ पत्र देकर झूठी शिकायत की पोल खोल दी थी। इन ग्रामीणों का कहना है कि रुक्मणि तो निहायत ही सज्जन है, उन्होंने अपने कार्य में कभी लापरवाही बरती ही नहीं है।

वहीं इन ग्रामीणों ने शिकायत पत्र में अपने नाम और हस्ताक्षरों को पूरी तरह फर्जी करार देते हुए रुक्मणि सज्जन के खिलाफ कभी भी किसी अधिकारी के पास अपने द्वारा शिकायत न की जाने की जानकारी दी है। यह शपथ पत्र कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के न्यायालय को भी सौंपा गया है। मतलब रुक्मणि सज्जन को हटाने और नौकरी से बेदखल करने के लिए फर्जी शिकायत पत्र पेश किया गया था। एक इसी शिकायत पत्र के आधार पर रुक्मणि सज्जन को आनन फानन में बर्खास्त कर दिया गया। अपनी बर्खास्तगी के खिलाफरुक्मणि सज्जन ने कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत कर बर्खास्तगी को गलत ठहराते हुए सेवा में फिर से बहाली की गुजारिश की थी। इधर यह मामला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के न्यायालय में विचाराधीन रहते हुए भी एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग बास्तनार की परियोजना अधिकारी ने आश्चर्यजनक ढंग से बड़ी तत्परता दिखाते हुए पुसेम के आंगनबाड़ी केंद्र में रुक्मणि सज्जन की जगह एक अन्य महिला मंझली ताती को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नियुक्त कर दिया। यही कदम अब परियोजना अधिकारी को भारी पड़ गया है। जिला दंडाधिकारी ने इसे अवमानना करार देते हुए अब सीधे पूरे मामले की मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश तोकापाल के एसडीएम को दिए हैं। एसडीएम से जांच रिपोर्ट 15 दिनों में प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

निकाली थी खुन्नस?

कहा जाता है कि विभाग की परियोजना अधिकारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रुक्मणि सज्जन से व्यक्तिगत द्वेष पाले बैठी हैं। दरअसल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ की संभागीय अध्यक्ष होने के नाते रुक्मणि सज्जन कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के जायज हक में तथा विभाग की बास्तानार में पदस्थ परियोजना अधिकारी की मनमानी के खिलाफमुखर होकर आवाज उठाती रही हैं। इसलिए परियोजना अधिकारी की नजरों में रुक्मणि सज्जन हमेशा खटकती थी। इसीलिए उन्होंने रुक्मणि सज्जन के खिलाफझूठे शिकायत पत्र तैयार कर रुक्मणि को अधिकारियों की मदद से बर्खास्त करवा दिया था। जबकि शिकायत पत्रों में जिन ग्रामीणों के नाम दर्शाए गए थे और उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे उन ग्रामीणों ने शपथ पत्र देकर शिकायती आवेदनों को फर्जी ठहराया है। वहीं अब यह जानकारी भी मिल रही है कि रुक्मणि सज्जन की सेवा में बहाली को परियोजना अधिकारी बर्दास्त नहीं कर पा रही हैं और फिर से उन्होंने साजिश वाला खेल शुरू कर दिया है। इस तरह परियोजना अधिकारी अब सीधे कलेक्टर को चैलेंज करने पर आमादा हो गई हैं।

न्यायालय कलेक्टर एवं भू–अर्जन अधिकारी जिला बेमेतरा (छ.ग.)

सार्वजनिक सूचना

प्रारूप "क"

राज्य शासन के विभाग–कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा उपसंभाग बेमेतरा के अंतर्गत ढाबा–कुम्ही–देवसरा–खुड़मुड़ी मार्ग निर्माण कार्य ग्राम कुम्ही, प.ह.नं. 48, रा.नि.मं. –भिंभौरी, उपतहसील भिंभौरी, जिला बेमेतरा (छ.ग.) की आवश्यकता होने से राज्य शासन विभाग निम्नांकित कृषक की भूमि आपसी सहमति से क्रय नीति 2016 के तहत करना चाहता है ।

स. क्र.	भू–स्वामी का नाम व पिता व पति का नाम	क्रय करने हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरण			
		ख.नं.	हेक्टे. में	एकड में	वर्ग मी. में
1	2	3	4	5	6
1	शान्तुराम, संतोष पिता गोकुल	44	0.400	0.988	111.00
2	उदय, किशोर, दिनेश, जयनारायण, अहिल्या, मुन्नी, संतोषी पिता दुर्जन, जाति तेली	405	0.080	0.198	8.00
3	गिरधारी पिता झड़ी, जाति–तेली	406	0.020	0.049	13.50
4	सुरेन्द्र पिता कार्तिक, जाति चौहान	624	0.030	0.074	20.00
5	गोवर्धन पिता लखन जाति–कुर्मी	1257/1	0.280	0.692	16.00
		1257/2	0.290	0.716	15.00
		1520	0.220	0.543	98.00
6	शंकर पिता धनश्याम, जाति कुर्मी	1322/3	0.400	0.988	26.00
		1521/1	0.220	0.543	52.50
7	पुन्नीलाल पिता परदेशी जाति तेली	1461	0.260	0.642	90.00
8	पोषण लाल पिता परदेशी जाति तेली	1462	0.040	0.099	39.00
9	खिलावन पिता जीवनलाल, जाति तेली	1467	0.050	0.124	33.00
10	पोषण पिता बिसौहा जाति तेली	1468/2	0.040	0.099	36.00
11	जगमोहन पिता थानु जाति तेली	1469	0.040	0.099	21.00
12	अमरेश, महेश पिता बीजेराम जाति तेली	1492	0.090	0.222	39.00
		1493	0.090	0.222	36.00
		1545	0.060	0.148	45.00
		1544	0.090	0.222	42.00
		1533	0.040	0.099	21.00
13	लीलाराम, रमेश, केवरा बाई पिता श्यामलाल, विक्टोरिया बाई बेवा श्यामलाल जाति तेली	1497	0.110	0.272	57.00
		1546	0.070	0.173	114.00
		1543	0.100	0.247	55.50
14	कमलनारायण पिता फुदरू जाति कुर्मी	1517	0.280	0.692	31.00
15	सुनीता पति गोवर्धन जाति कुर्मी	1518	0.930	2.297	534.00
		1519	0.320	0.790	136.00
16	जगदीश पिता झुमुक जाति तेली	1521/2	0.220	0.543	31.00
17	बिरू पिता अगरसिंग जाति केंवट	1541	0.140	0.346	90.00
18	भुखनलाल पिता अगरसिंग जाति केंवट	1534	0.030	0.074	33.00
19	रूंगुराम, जगतराम, भुनेश्वर, सुकलाल पिता झाड़ूराम जाति राउत	1527	0.040	0.099	18.00

यदि किसी व्यक्ति या संस्था को क्रय–विक्रय या स्वत्व में कोई आपत्ति हो तो वह आधारों एवं सुसंगत दस्तावेजों सहित लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 15.07.2024 तक प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 20.09.2023. को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया ।

जी - 242500861/1

कलेक्टर एवं भू–अर्जन अधिकारी
जिला– बेमेतरा (छ.ग.)

खास खबर

राजस्व निरीक्षकों ने नवीन पदस्थापना में किया कार्यभार ग्रहण

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा जिले में प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से 07 राजस्व निरीक्षकों के मण्डल प्रभार में परिवर्तन किया गया है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा के आदेश के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा संबंधित राजस्व निरीक्षकों को उनके नवीन पदस्थापना राजस्व निरीक्षक मण्डल में कार्य करने हेतु भारमुक्त कर दिया गया है। साथ ही सभी राजस्व निरीक्षकों द्वारा नवीन राजस्व निरीक्षक मण्डल में कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है। जिसके अंतर्गत श्री योगेन्द्र बैस को राजस्व निरीक्षक मण्डल कोरबा, श्री आशीष सोनी को राजस्व निरीक्षक मण्डल पाड़ीमार एवं दादरखुर्द का अतिरिक्त प्रभार, श्री खेलन प्रसाद सूर्यवंशी को राजस्व निरीक्षक मण्डल पसरखेत, श्री परषोत्तम राम धाकड़े को राजस्व निरीक्षक मण्डल कोथारी, श्री नीलकांत यादव को राजस्व निरीक्षक मण्डल दीपका व गेवरा का अतिरिक्त प्रभार, श्री नंद किशोर सिंह राजस्व निरीक्षक मण्डल पाली के साथ ही अतिरिक्त प्रभार लाफा, श्री चक्रधर सिंह सिदार राजस्व निरीक्षक मण्डल पसान के साथ ही अतिरिक्त प्रभार जटगा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा की प्रथम अध्यक्ष बनीं शैल राठौर

कोरबा । नवगठित नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा में राज्य शासन द्वारा वार्ड क्रमांक-65 की पार्षद श्रीमती शैल राठौर को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पार्षद श्रीमती कमला बरेठ उपाध्यक्ष मनोनीत की गई हैं। नगर पालिका में सदस्यों के तौर पर श्रीमती प्रभावती चौहान, सतीश झा, लखपत शर्मा, अश्वनी मिश्रा, संतोष राठौर, मेलू पटेल, ज्योति दास महंत का मनोनयन किया गया है। पार्षद श्रीमती कमला बरेठ जिला योजना समिति की सदस्य भी हैं और नगर पालिका में उपाध्यक्ष का दायित्व मिल जाने से बांकी मोंगरा क्षेत्र की राजनीति में उनका कद बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक-37 सन्-1961) की धारा 16 (1) के अधीन नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा की परिषद के कृत्यों के संचालन हेतु आगामी आदेश तक उक्त समिति का गठन किया गया है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग रायपुर, उप सचिव रेणुका श्रीवास्तव द्वारा शासन का आदेश जारी कर दिया गया है।

यातायात व्यवस्था बनाये रखने सख्त कार्यवाही

कोरबा। कोरबा शहरी क्षेत्र में बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए यातायात पुलिस का अमला विभिन्न व्यस्त सडकों पर मुस्तैद होकर सख्त कार्यवाही कर रहा है। यातायात के जवानों की शहर में पेट्रोलिंग हो रही है और नो पार्किंग में खड़े किए जाने वाले चार पहिया और अन्य वाहनों पर लॉक करने की सख्त कार्यवाही की जा रही है।

गोरखा से मुकुड़तोंग पहुंच मार्ग को मरम्मत की दरकार, ध्यान नहीं दे रहे जिम्मेदार

गांव को जोड़ने वाला पुलिया का एक हिस्सा बारिश में कटा, सड़क पर भी जगह - जगह हुए गड्ढे

श्रमबिन्दु / शहनवाज खान

कोंटा । कोंटा। सुकमा जिले के कोंटा विकासखण्ड अंतर्गत गोरखा से मुकुड़तोंग के बीच बनी सड़क को मरम्मत की दरकार है। एक साल पहले सड़क का काम पूरा किया गया था। बीते साल हुई बारिश की वजह से सड़क कई जगह कट गई है। वहीं इंजराम—भेजी मुख्य मार्ग और गेडापाड़—मुकुड़तोंग के बीच नाले पर बना पुल ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहा है। इलाके में होने वाली तेज बारिश से नाला उफान पर आ जाता है जिसकी वजह से पुल का अप्रोच मार्ग बह जाता है। बीते साल हुई बारिश में पुल का एक हिस्सा कट गया था। निर्माण एजेंसी द्वारा आनन—फानन में मिट्टी डालकर पुल को जोड़ा गया था लेकिन बीते एक साल से सड़क का मरम्मत नहीं होने की वजह से मिट्टी फिर से कटने लगी है। ग्रामीण बारिश में होने वाली दिक्कतों को लेकर अभी से परेशान होने लगे हैं।

बस्तर के नक्सल प्रभावित इलाकों में सरकार की विभिन्न योजनांए ग्रामीणों के दहलीज तक पहुंचे, इसके लिए बड़े पैमाने पर सड़कों का जाल बिछाया गया है। सड़कों को बनाने केन्द्र और राज्य सरकार से मिलने वाले अरबों रुपए खर्च किए गए। दशकों बाद गांव तक पहुंच रही सड़कों को देख स्थानीय ग्रामीणों में भी खुशी की लहर थी। लोगों को उम्मीद थी कि जिला मुख्यालय व ब्लॉक मुख्यालय तक आने—जाने में व अन्य जरूरी सुविधाएं हर वक्त मिलने लगेंगी। पुलिस और प्रशासन के सालों के संघर्ष के बाद सड़कों का काम पूरा भी किया गया। लेकिन निर्माण एजेंसी की अनदेखी की वजह से लाखों—करोड़ों रुपए खर्च कर बनाई गई सड़कें मरम्मत के अभाव में जर्जर होते जा रही हैं। ऐसा ही कुछ हाल गोरखा से मुकुड़तोंग तक बनी सड़क का हो गया है। पीएमजीएसवाय के जिम्मेदार अफसर सड़क की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि सड़क मेंटेनेंस पीरियड में पहुंच गई है।

नाले के तेज बहाव से कटने लगा है पुल...

गेडापाड़ और मुकुड़तोंग को जोड़ने इंजराम नाले पर पीएमजीएसवाई योजना के तहत सड़क के साथ पुल का निर्माण किया गया है। ग्रामीण मुचाकी देवा, देवचंद्र कश्यप, मड़कामी देवा समेत गांव के लोगों ने बताया कि इंजराम नाले पर बड़े पुल की दरकार है। निर्माण के दौरान ही ग्रामीणों द्वारा अफसरों को बताया गया था लेकिन अफसरों ने उनकी एक न सुनी और छोटा बना दिया। पुल की हाईट भी कम कर दिए। अब हालात ऐसे है कि इलाके में हल्की बारिश भी हो जाए तो, पानी पुल के ऊपर से बहने लगता है। बारिश में तो हालात और भी ज्यादा खराब हो जाते हैं। नदी उफान पर आ जाती है और पुल के दोनो तरफ डाली गई मिट्टी बह जाती है। जिसके चलते कई दिनो तक गांव तक सड़क संपर्क टूट जाता है। आपातकालीन सेवाएं भी बंद हो जाती है। स्थानीय लोग किसी तरह उफनती नदी पार कर रोजमर्रा की जरूरतों की पूर्ति करते हैं। ग्रामीणों की मांग है कि पुल का अप्रोच बारिश में न बहे इसके लिए स्थायी व्यवस्था किया जाए।

2022 में हुआ था सड़क का निर्माण...

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत साल 2022 में सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित कोंटा ब्लॉक में गोरखा से मुकुड़तोंग के बीच सड़क का निर्माण कराया गया था। इसे बनाने निर्माण एजेंसी ने केन्द्र सरकार से मिले 145.57 लाख रुपए खर्च किए। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से सुकमा की रोड कंस्ट्रक्शन कंपनी हसीना कांक्रीट ने सड़क को एसओआर से 3.86 प्रतिशत अधिक दर पर लिया जिसकी वजह से सड़क की कुल लागत 1 करोड़ 53 लाख हो गई। एक साल बीत जाने के बाद भी सड़क का मरम्मत नहीं कराया गया है। जबकि सड़क पूर्ण होने के पांच साल तक मेंटेनेंस करने का प्रावधान है।

बड़े पुल की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया है:अनिल राठौर

विभाग के अधिकारी अनिल राठौर ने बताया कि गोरखा से मुकुड़तोंग सड़क के बीच पड़ने वाले नाले पर बड़े पुल की जरूरत है। एस्टीमेट तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजा गया है। पाइप पुलिया की वजह से कटाव हो रहा है। जल्द ही संबंधित ठेकेदार को बोलकर सड़क और पुल का रिपेयर करवाता हूं।

महतारी वंदन योजना से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त

श्रमबिन्दु / कोरबा

महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जनहितैषी छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को 1000 रुपए की आर्थिक मदद हर महीने सीधे डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में प्राप्त होती है। जिससे महिलाएं स्वावलंबन की राह पर आगे बढ़ सकें एवं अपनी सेहत एवं आर्थिक स्थिति में सुधार कर पाएं।

पूरे राज्य की तरह जिले में भी इस योजना का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। कोरबा विकासखण्ड के कोरकोमा की रहने वाली श्रीमती गीता नायक ने योजना की प्रषंसा करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक सार्थक प्रयास है। योजना से मिलने वाली राशि जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल वक्त का सहारा बनी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह खाते मे 1000 रुपए मिलने से महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में आसानी होती है। हितग्राही श्रीमती नायक ने कहा कि उनके पति श्री नीलांबर नायक खेती का कार्य करते है। विगत 5 माह से उन्हें योजना के तहत राशि प्राप्त हो रही है। जिसका उपयोग वे अपने एवं अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने, बच्चों के अध्यापन कार्य तथा उनके लिए पौष्टिक भोजन के व्यवस्था करने में करती है। साथ ही राशनकार्ड से उन्हें निर्धारित दर पर खाद्यान्न भी प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि हर माह खाते में राशि जमा होने से महिलाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हो रही है। साथ ही उन्हें एक प्रकार की वित्तीय सुरक्षा महसूस होती है। जिससे वे निर्भिक होकर प्रसन्नचित हृदय से अपने नैतिक व पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर पाती है। उन्होंने महतारी वंदन योजना को महिलाओं के लिए उपयोगी एवं लाभप्रद बताते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है।

विधायक कार्यालय का हुआ उद्घाटन

मैं कहीं भी रहूं अपने क्षेत्र की जानता के करीब हूं -रामविचार नेताम

श्रमबिन्दु / बलरामपुर

जिले वासियों के समस्याओं का तत्परित गति से निराकरण करने के लिए आज जिला मुख्यालय बलरामपुर में शहीद चौक के सामने हनुमान मंदिर प्रांगण में रामानुजन विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम अपने धर्मपत्नी पुष्पा नेताम के साथ विधायक कार्यालय का फीता काटा कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर राम विचार नेताम ने कहा कि जिले एवं हमारे विधानसभा क्षेत्र की जनता अपने कार्य एवं समस्याओं को लेकर इधर-उधर के चक्कर न लगाना पड़े और उनका समय से काम हो ईसी उद्देश्य को लेकर हमने आज विधायक कार्यालय का उद्घाटन किया है।

उन्होंने कहा कि हमारे जिला प्रवास के दौरान अपनी समस्याओं को लेकर हमसे मिल सकते हैं और हमारे नहीं रहने पर भी यहां पर आवेदन जमा कर सकते हैं मैं कहीं भी रहूं अपने क्षेत्र की जनता का समाधान के लिए मैं उनके करीब हूं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक दिन यहां जमा होने वाले आवेदन सीधा हमारे रायपुर मुख्यालय दफ्तर को भेजा जाएगा और वहां से संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएंगे। ताकि हमारे क्षेत्र की जनता को अपनी समस्याओं का समाधान तत्काल मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि जिस विश्वास और उत्साह के साथ हमारे क्षेत्र की जनता हमें जीत दिलाई है उसके लिए हम उनकी ऋणी है उनके विश्वास एवं समस्याओं को दूर करना हमारी प्रथम प्राथमिक होगी। इसके लिए यह कार्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल,पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल मिश्रा,पूर्व जिला पंचायत सदस्य धीरज सिंह देव, जिला महामंत्री दीनानाथ यादव,वरिष्ठ भाजपा नेता बंशीधर गुप्ता,ओम प्रकाश सोनी,अजीत सिंह, बिहारी पाल,मीडिया प्रभारी जितेन्द्र श्रीवास्तव एवं अजय यादव,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष गौतम सिंह,बलवंत सिंह, अमित गुप्ता,अंश? सिंह, मंगलम पाण्डेय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जल्द जगदलपुर आएंगे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री को आरण्यक ब्राह्मण समाज का न्यौता

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

बस्तर गोंचा महापर्व में शामिल होने हेतु प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी परंपरानुसार 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज का प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को उनके निवास में बुधवार रात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव के नेतृत्व में न्यौता दिया।

समाज प्रमुखों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर गोंचा महापर्व 22 जून से प्रारंभ हो गया है। 15 जुलाई तक चलने वाले इस महापर्व में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा (श्री गोंचा पूजा विधान) 7 जुलाई को संपन्न किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने न्यौता के लिए धन्यवाद ज्ञापित

करते हुए रियासत कालीन परंपरा के निर्वहन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर गोंचा महापर्व के बीच एक दिन भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन करने के लिए जगदलपुर आने की सहमति प्रदान की है। बस्तर गोंचा महापर्व के दौरान मुख्यमंत्री के बस्तर प्रवास की सूचना से अवगत कराया जाएगा।

किरण, केदार को भी न्योता

बस्तर की ऐतिहासिक गोंचा पर्व में शामिल होने समाज प्रतिनिधियों ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव, वन मंत्री केदार कश्यप व रायपुर के विधायक पुरंदर मिश्रा को भेंट देकर उन्हें गोंचा पर्व हेतु आमंत्रित किया। इस दौरान तीनों जनप्रतिनिधियों ने निमंत्रण स्वीकार कर कार्यक्रमों में सहभागिता निभाने की बात कही। प्रतिनिधि मंडल में 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष ईश्वर नाथ खम्बारी, बस्तर गोंचा समिति के अध्यक्ष विवेक पाण्डे, रजनीश पाणिग्रही, वेदप्रकाश पांडे ,नरेन्द्र पाणिग्रही, दिनेश पाणिग्रही, हेमंत पांडे, ओंकार पांडे, आत्माराम जोशी, डिलेश्वर पांडे, गजेंद्र पाणिग्रही, चिंतामणि पांडे, विजय पांडे, बिम्बाधर, ईश्वर पाणिग्रही, वेणुधर पाणिग्रही, हेमंत पाणिग्रही, प्रशांत पाणिग्रही, जयप्रकाश पाढ़ी, विमल पांडे, देवकृष्ण पाणिग्रही, नुरनेश पाणिग्रही, ललित पाणिग्रही आदि शामिल थे।

एसईसीएल बैकुण्ठपुर क्षेत्र में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन...

पुटा में 116 व खोंड़ में 132 मरीजों को जांच के बाद निःशुल्क दवाईयों का किया गया वितरण

श्रमबिन्दु / बैकुंठपुर

एसईसीएल बैकुण्ठपुर क्षेत्र में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं एवं कार्यक्रम का आयोजन निरंतर होता रहता है। इसी कड़ी में एसईसीएल, बैकुण्ठपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक बीएन झा के कुशल मार्गदर्शन में गत 03 एवं 04 जुलाई 2024 को कॉलरी क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम - पुटा (कटकोना उपक्षेत्र) एवं ग्राम- खोड़ (झिलिमिली उपक्षेत्र) में निःशुल्क ग्रामीण चिकित्सा शिविर आयोजन किया गया। जिसमें कुल 248 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाओं का वितरण किया गया। इस शिविर में सीएमओ बैकुंठपुर क्षेत्र एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डा. संजय सिंह की अगुवाई में डा. एके बिराजी डिप्टी सीएमओ, डा. एस मिंज, डिप्टी सीएमओ, डा. एस चंदेरिया नाक-कान-गला विशेषज्ञ, डा. रिची, डा. अनामिका एवं डा. चंद्रेश पटेल ने अपनी सेवाएँ दी। शिविर में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को जांच के साथ-साथ बीपी, शुगर, हड्डी, चर्म रोग एवं नाक-कान-गला संबंधी रोग की भी जांच की गई। शिविर में जांच के बाद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां और जरूरी चिकित्सीय परामर्श दिया गया। इसी कड़ी में आगामी 06 जुलाई को 2024 को चरचा उपक्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम आनन्दपुर और कटगोड़ी में भी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। गत 03 जुलाई 2024 को ग्राम पूटा (कटकोना) में आयोजित शिविर में 116 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें चर्म रोग एवं हड्डी रोग सहित समस्त मौसमी बीमारियों का उपचार किया गया। इस दौरान मधुमेह के 03 और 02 में उच्च रक्तचाप के लक्षण मिले।

इसके अलावा 02 लोगों में बहरापन, 01 में ईयर वैक्स और 01 में मोतियाबिन्द पाया गया, जिन्हें उचित चिकित्सकीय सलाह और दवाएँ दी गई।इसी प्रकार दिनांक 04 जुलाई 2024 को ग्राम खोड (झिलमिली उपक्षेत्र) में चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें कुल 132 मरीजों के स्वास्थ्य का एवं बीपी शुगर व नाक-कान-गला संबंधी बिमारियों का विशेष परीक्षण किया गया। परीक्षण में सामान्य बिमारियों के अलावा 05 में डायबिटीज, 03 में उच्च रक्तचाप, 03 लोगों में सुनने की समस्या तथा 02 मोतियाबिंद से पीड़ित मरीज मिले, जिन्हें उचित दवा एवं सलाह दी गई। इन शिविरों के आयोजन में एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र अंतर्गत चरचा, कटकोना एवं पांडवपारा झिलमिली के स्वास्थ्य कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। तथा स्वास्थ्य शिविर के संचालन में एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक बीएन झा सहित कटकोना एवं झिलमिली उपक्षेत्र के सह प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियों, ट्रेड यूनियन के पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा।

नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने निर्वाचित लोक सभा सांसद अवधेश प्रसाद से मुलाकात की

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

पूर्वांचल विचार मंच और नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या, फैजाबाद से निर्वाचित लोक सभा के सांसद, अवधेश प्रसाद से मुलाकात की। समाजवादी पार्टी के सांसद, अवधेश प्रसाद को अयोध्या से जीत की जोरदार शुभकामनाएं दी गई।

पूर्वांचल विचार मंच के अध्यक्ष, डॉ राकेश रमण झा ने अप्रैल माह में अपने अयोध्या दौरे का हवाला सांसद को दिया जिसमें श्री राम मंदिर के प्रवेश द्वार पर उनके स्वयं के व्हीलचेयर को सुरक्षा कर्मियों द्वारा मन्दिर में प्रवेश से मना करने की जानकारी दी। सुरक्षा कर्मियों ने प्रवेश द्वार पर मन्दिर प्रबंधन द्वारा रखे गए व्हीलचेयर पर शिफ्ट करने के लिए कहा। लेकिन डॉ झा ने इसमें अपनी असमर्थता व्यक्त की। फ्लस्वरूप डॉ झा को प्रभु श्री राम के दर्शन के बिना ही मन्दिर से वापस लौटना पड़ा। सांसद अवधेश प्रसाद ने पूरा माजरा लिखित में देने के लिए कहा ताकि वे प्रशासन के समक्ष इस मुद्दे को रख सकें। इससे आगे से किसी दिव्यांग व्यक्ति को प्रभु श्री राम के दर्शन में कोई समस्या नहीं आए उसका सांसद महोदय ने पूरा आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में अरुण शर्मा, विजय वर्मा, साजिद चौधरी, विनय तिवारी, अमित यादव, सुनहरी लाल यादव आदि थे।

उतई में मनाया गया विकास खण्ड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव

बेहतर कल के लिए गुणवतापूर्ण शिक्षा जरूरी : विधायक चंद्राकर

श्रमबिन्दु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के उतई में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया।इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि शाला उत्सव अपने साथ बहुत उत्साह लेकर आते हैं,यह आनंद मनाने और सभी शैक्षणिक दबावों को भूलने का एक बढ़िया समय होता है। स्कूल उत्सव छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के बारे में बहुत कुछ सिखाने का भी एक बढ़िया समय होता है। बच्चो का तिलक लगाकर,स्वागत करते हुए इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा.... शाला प्रवेश उत्सव को जन-जन का अभियान बनाने के लिए व्यक्तिगत रुचि लेते हुए इसे सभी स्तर पर सफल बनाएं ताकि शत-प्रतिशत बच्चों को शाला में प्रवेश सुनिश्चित करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर समग्र शिक्षा की लक्ष्य की प्राप्ति की जा सके। आगे कहा साथ ही देश के यशस्वी प्रधान मंत्री द्वारा एक पेड़ मां के नाम आभियान की शुरुवात की है इस आभियान का हिस्सा बने और अधिक से अधिक वृक्षा रोपण उसका संरक्षण व संवर्धन का संकल्प ले।कार्यक्रम में संसद विजय बघेल,जनपद अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख,विधायक डोमन लाल कोरसेवाडा , ब्लाक एवम् जिला शिक्षा विभाग के अधिकारीगण पंचायत प्रतिनिधि,संकुल के शिक्षकगण छात्र छात्राएं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महामंत्री रोहित साहू उतई मंडल अध्यक्ष फत्ते लाल वर्मा महामंत्री सोनू राजपूत पूर्व मंडल अध्यक्ष गिरिश शर्मा जी चंदू देवांगन लक्ष्मीनारायण साहू खुबलाल चंद्राकर सतीश चंद्राकर रूपेश पारख सतीश चंद्राकर रूपनारायण शर्मा डा अनिल साहू श्रीमति सीतला ठाकुर लता सोनवानी विमला कामड़े श्रीमति शारदा साहू जी माधो साहू मानसिंग भारती प्रकाश वर्मा दानेश्वर देशमुख सीतल श्रीसोहन रिगरी सुमन साहू किशोर साहू अश्वनी यादव धनीराम डिकेश साहू उमाशंकर कोसरिया थानसिंग देवीलाल साहू बलराम साहू सुरेन्द्र यादव ललित साहू स्कुल स्टाप से गोविंद साव बीईओ श्रीमति चंद्रकीरण साहू संकुल समन्वयक सावंत राम साहू प्रधान पाठक पी आर देवांगनश्रीमति रेखा सोनवाणी पोषण मारकंडे हरिश देवांगन जी संजय चंद्राकर व बड़ी संख्या में ग्रामीण जन छात्र छात्राएं शिक्षक शिक्षिकाए उपस्थित रहे।

संपादकीय...

पिछले दस साल में हमारी लोकसभा में प्रतिपक्ष तो था पर नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष किसी को नहीं चुना जा सकता था। चुनावों में भाजपा को मिली सफलता इतनी 'भारी' थी कि विपक्ष की आवाज़ दब-सी गयी थी। इस बार ऐसा नहीं है। इस बार मतदाता ने भाजपा को सदन में सबसे बड़ा दल तो चुना है, पर उसे इतनी ताकत नहीं दी कि वह अपनी मनमानी कर सके।

विपक्ष के ईमानदार कर्तव्य से लोकतंत्र को मजबूती

आखिरकार लोकसभा में विपक्ष के नेता की आवाज़ सुनाई दे ही गयी। ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी पहले संसद में बोले नहीं, पर तब वह कांग्रेस के एक नेता के रूप में ही बोलते थे, पर अब उनकी आवाज़ पूरे विपक्ष की आवाज़ मानी जायेगी और जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, 'लोकतांत्रिक परंपराओं का तकाज़ा है कि वे नेता प्रतिपक्ष की बात ध्यान से सुनें', सोमवार को लोकसभा में दिये गये राहुल गांधी के भाषण को इस दृष्टि से देखा-सुना जायेगा। पिछले दस साल में हमारी लोकसभा में प्रतिपक्ष तो था पर नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष किसी को नहीं चुना जा सकता था। चुनावों में भाजपा को मिली सफलता इतनी 'भारी' थी कि विपक्ष की आवाज़ दब-सी गयी थी। इस बार ऐसा नहीं है। इस बार मतदाता ने भाजपा को सदन में सबसे बड़ा दल तो चुना है, पर उसे इतनी ताकत नहीं दी कि वह अपनी मनमानी कर सके।

आज देश में एक मिली-जुली सरकार है। बैसाखियों के सहारे चल रही है भाजपा के नेतृत्व वाली यह सरकार। भाजपा को सबसे बड़े दल के रूप में चुनने वाले मतदाता ने कांग्रेस को इतनी सीटें दे दी हैं कि उसका नेता सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में काम कर सके। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का यह संतुलन जनतंत्र को मज़बूत बनाने वाला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भाजपा का नेतृत्व स्थिति को समझते हुए जनतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करेगा और विपक्ष से भी यही उम्मीद की जाती है कि वह सकारात्मक भूमिका निभायेगा।

संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संदर्भ में हुई बहस से देश को ऐसी ही उम्मीद जगी है। चूंकि लोकसभा में दस साल बाद कोई नेता प्रतिपक्ष बना है इसलिए यह उत्सुकता होनी स्वाभाविक थी कि राहुल गांधी सदन में क्या और कैसे कहते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात लगभग सौ मिनट में पूरी की और ऐसे अनेक मुद्दे उठाये जो मतदाता को सीधा प्रभावित करते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्होंने जिस तरह से अपनी बात रखी उसने बहुतों को प्रभावित किया होगा। यह कतई ज़रूरी नहीं है कि उनकी बातों से सहमत हुआ ही जाये, पर इतना तो स्वीकारना ही होगा कि राहुल गांधी ने अपनी बात मज़बूती से देश के सामने रखी है और जो मुद्दे उन्होंने उठाये हैं वह सत्तारूढ़ गठबंधन को बेचैन करने वाले हैं। यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि राहुल गांधी के वक्तव्य के दौरान प्रधानमंत्री और गृहमंत्री समेत छह केंद्रीय मंत्रियों को खड़े होकर प्रतिवाद करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

यही नहीं, गृहमंत्री ने तो स्पीकर महोदय से यह कहना भी ज़रूरी समझा कि वे विपक्ष के प्रति अधिक उदार हो रहे हैं! यह भी मांग की जा रही है कि नेता प्रतिपक्ष के भाषण में कही गयी बातों को सत्यापित कराया जाये। नेता प्रतिपक्ष ने अपने भाषण में कोई नया मुद्दा नहीं उठाया था कुल मिलाकर वही बातें की थीं जो विपक्ष अर्से से कहता आ रहा है। मसलन, मणिपुर में हुआ घटनाक्रम और प्रधानमंत्री का साल भर तक वहां न जाना, नीट परीक्षा में हुआ घोटाला, सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना, किसानों को न्यूनतम दरों की गारंटी का सवाल, महंगाई और बेरोज़गारी जैसे मुद्दों पर पहले भी आरोप लगते रहे हैं ।

लेकिन नेता विपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने सदन में जिस तरह इन मुद्दों को सामने रखा है वह सत्तारूढ़ पक्ष को विचलित करने वाला था। लेकिन एक मुद्दा जो सर्वाधिक विवादास्पद हो सकता है, वह धर्म को लेकर था। जब उन्होंने यह कहा कि 'स्वयं को हिंदू कहने वाले ही हिंसा की बात करते हैं' तो प्रधानमंत्री समेत समूचे सत्तारूढ़ पक्ष को जैसे कुछ कहने का आधार मिल गया। गृहमंत्री ने तो इस कथन के लिए राहुल गांधी से क्षमा मांगने के लिए भी कहा। निश्चित रूप से यह मुद्दा आने वाले कुछ दिन तक हमारी राजनीति पर छाया रहेगा, पर यह कहकर कि प्रधानमंत्री मोदी या भाजपा या संघ ही हिंदू नहीं हैं, नेता प्रतिपक्ष ने अपने कथन को स्पष्ट करने की कोशिश की थी। राहुल गांधी ने कहा, 'हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसक और भय मुक्त होने की बात कही हैज पर आज जो स्वयं को हिंदू कहते हैं वे हिंसा, घृणा संस्कृति की बात ही करते हैंज आप हिंदू हो ही नहीं सकते।' हिंदुत्व का ठेका लेने वालों को भला यह बात कैसे स्वीकार हो सकती है, शोर मचना तो स्वाभाविक है। शोर तो इस बात पर भी मचेगा कि नेता प्रतिपक्ष धार्मिक आदि के चित्र लेकर क्यों आये?

बहरहाल, नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी का यह भाषण हमारी राजनीति में बहुत दिन तक गूंजेगा। भाजपा एक अर्से से, कम से कम पिछले दस साल से, यह असफल कोशिश करती रही है कि राहुल गांधी को राजनीति के लिए अपरिपक्व समझा जाये। पर आज सदन में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया है वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब वह पहले वाले राहुल गांधी नहीं रहे। अपनी भारत जोड़ो यात्राओं के माध्यम से भी वह यह जताने में सफल रहे कि अब वह जन-मानस से सीधे जुड़ने की कला सीख चुके हैं। अब नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके इस भाषण ने नई उम्मीद जगायी है। कोई ज़रूरी नहीं कि उनकी हर बात से सहमत हुआ जाये, पर यह समझना ज़रूरी है कि उनकी बातों में दम है। अब वह पहले वाले राहुल गांधी नहीं रहे। उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता।

अधिकांश की प्रस्तुति सेक्सिस्ट

टीवी व प्रिंट मीडिया में इन दिनों आते कुछ विज्ञापनों को छोड़ दें तो अधिकांश की प्रस्तुति 'सेक्सिस्ट' नजर आती है जिनमें औरत अधिकाधिक बेध्य नजर आती है। इसे समझने के लिए हम कुछ उदाहरण देखें= एक खास ब्रांड की इलायची बेचनी होती है, वहां भी केसर फेंकने के लिए सुंदरी जरूरी होती है जो नाचती-गाती दिखती है। इसी तरह एक टूथपेस्ट बेचने के लिए एक हीरो नाचता हुआ आता है, और फिर कई लड़कों के साथ एक हीरोइन भी उसके साथ डांस करने लगती है, और वो ब्रांडेड टूथपेस्ट दिखने लगता है।

लेकिन इन दिनों कुछ विज्ञापन बहुत ही आगे निकल गए दिखते हैं जैसे एक ब्रांड 'कंडोम' का विज्ञापन जिसमें लड़का लड़की के साथ दर्शकों से कहता है कि अपने पार्टनर से बात करके कंडोम तय करो..। यह विज्ञापन उस कंडोम विज्ञापन से बहुत आगे का है जो बरसों पहले एक अंग्रेजी पत्रिका में छपा था जिसमें नग्न हीरो-हीरोइन के 'नग्न' शरीरों पर अजगर लिपटा हुआ दिखता था। तब उसे लेकर मीडिया में बड़ा हल्ला हुआ था। लेकिन अब कंडोम के विज्ञापन किसी को नहीं हिलाते। उनको तक नहीं जो अपने को 'स्त्रीत्ववादी' कहते हैं और स्त्री की देह को किसी 'उपभोग्य वस्तु' की तरह दिखाने पर ऐतराज किया करते थे। कारण यह है कि इन दिनों बाजार की अतियों के खिलाफ कोई बंदा बोलता नहीं दिखता।

आज का बाजार 'सेक्स संचालित' बाजार है। वस्तुओं के साथ हमको 'सेक्सिस्ट' नजरिया भी बेचा जाता है। यह अपने 'फ्री मारकेट' की 'सेक्सिस्ट कल्चर' की जीत है। बहुत कम विज्ञापन होते हैं जिनमें कोई सुंदर स्त्री या हीरोइन नहीं होती। इसका कारण 'मारकेटिंग की रणनीति' है जो मान कर चलती है कि स्त्री अगर 'सेल्स वूमन' हो तो चीज अच्छी बिकती है क्योंकि चीजों को खरीदने वाले अधिकतर मर्द ही होते हैं।

अब हम कुछ नये ब्रांडेड 'कच्छा बनियानों' की मारकेटिंग के उदाहरण देखें= एक फिल्मी हीरो की शूटिंग का टाइम हो चुका है। सेट लगा है। वह लेट हो रहा है लेकिन वो येन केन दौड़ता-भागता किसी तरह सेट तक पहुंचता है तो वहां मौजूद लेडी बुदबुदाती है कि वो तो कभी लेट नहीं होता तो वो कहता है कि मैं हमेशा टाइम से पहुंचता हूं। अंत में लेडी कहने लगती है-'फिट है बॉस'! यह 'फिट है बॉस' यूं तो बनियान के लिए कहा जाता है लेकिन 'फिट' के मानी सिर्फ इतने नहीं दिखते। इसके भी 'डबल मानी' हैं। ऐसा ही एक विज्ञापन कुछ पहले आया करता था जो इस तरह से खुलता था = हीरो को कोई बताता है कि डालर का भाव चढ़ रहा है तो वह दौड़ लगाकर एक खास ब्रांड के बक्से को छीन लेता है। उसकी इस फिटनेस पर लेडी मुग्ध हो जाती है..। ऐसे विज्ञापनों में सामान के साथ मर्द की बॉडी पर मरती औरत भी बेची जाती है। यह एक प्रकार का 'निर्लज्ज सेक्सिज्म' है। ऐसे ही 'गरम इनर्स' का वो विज्ञापन याद आता है, जो इस तरह खुलता है = किसी बर्फानी हिल स्टेशन पर एक मां अपनी लड़की के साथ दिखती है, जो ठंड से ठिठुर रही है। वहां एक लड़का आता है जो अपने गरम इनर्स को उतार कर लड़की को देता है, तो वह कहती है, हां, अब ये ठंड कट जाएगी..। इसके 'डबल मानी' साफ हैं। लड़की जिस मुद्रा में यह सब कहती है उसमें उसकी आंखों में वासना सी नजर आती है और लड़का तक उसके इशारे समझता है..। इसी तरह एक कच्छे का विज्ञापन आता है जिसमें लड़की लड़के को देखती है।

प्राकृतिक संसाधनों का तार्किक उपयोग ही समाधान पर्यावरण संकट

प्रकृति के साथ छेड़छाड़ आज समूची दुनिया के लिए भयावह खतरे का सबब बन चुकी है। तापमान में वृद्धि, मौसम में बदलाव और जलवायु परिवर्तन इसके जीवंत प्रमाण हैं। इन प्रकोपों से दुनिया त्राहि-त्राहि कर रही है। इस सबके पीछे मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार हैं जिसने दुनिया को तबाही के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। दुनिया में जिस तेजी से पेड़ों की तादाद कम होती जा रही है, हकीकत में उससे पर्यावरण तो प्रभावित हो ही रहा है, पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि और मानवीय जीवन ही नहीं, बल्कि भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी भीषण खतरा पैदा हो गया है। विश्व बैंक ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से संबंधित रिपोर्ट में कहा है कि पर्यावरण प्रदूषण के चलते हो रही तापमान में बढ़ोतरी के लिए दैनंदिन घटती जैव विविधता और मानवीय गतिविधियां सबसे अधिक जिम्मेदार हैं।

ज्ञानेन्द्र रावत

जैव विविधता घटने की वजह से धरती लगातार गर्म होती जा रही है जिससे अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड के साथ-साथ दुनिया में तीसरे सबसे अधिक बर्फ के भंडार माने जाने वाले कनाडा के ग्लेशियर संकट में हैं। इनके पिघलने से इस सदी के अंत तक दुनिया भर के समुद्र के जलस्तर में बढ़ोतरी हो जायेगी जिससे दुनिया के समुद्र तटीय बड़े शहरों के डूबने का खतरा बढ़ जायेगा।

गौरतलब है कि प्रकृति मनुष्य की भोजन, पानी, साफ हवा, औषधि सहित जीवन की कई मूलभूत जरूरतों की पूर्ति करती है। लेकिन हमने भौतिक सुखों की चाह में प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की जिसके कारण पर्यावरण तो बिगड़ा ही, जंगल, जीव और मनुष्य के बीच की दूरियां भी कम होती चली गयीं।

दुनिया के वैज्ञानिक बार-बार कह रहे हैं कि इंसान जैव विविधता के खात्मे पर आमादा है। जबकि जैव विविधता का संरक्षण हमें बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समृद्ध जैव विविधता हमारे अस्तित्व का आधार है। यदि वनों की कटाई पर अंकुश नहीं लगा तो प्रकृति की लय बिगड़ जायेगी और उस स्थिति में वैश्विक स्तर पर तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी को रोक पाना बहुत मुश्किल हो जायेगा। ऐसी स्थिति में सूखा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम से आर्थिक हालात और भी प्रभावित होंगे जिसकी भरपायी आसान नहीं होगी।

अमेरिका की ए एंड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पेड़-पौधों की मौजूदगी लोगों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। अध्ययन में कहा गया है कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पायी गयी है। जैव विविधता न सिर्फ हमारे प्राकृतिक वातावरण के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ऐसे वातावरण में रहने वाले लोगों के मानसिक कल्याण के लिए भी उतनी ही अहम है।

बीते दो दशकों में समूची दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर यानी 193 मिलियन एकड़ पहाड़ी जंगल नष्ट हो गये हैं। जबकि पहाड़ दुनिया के 85 फीसदी से ज्यादा पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों के आश्रय स्थल हैं। गौरतलब यह है कि हर साल जितना जंगल खत्म हो रहा है, वह एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर में फैले देश जर्मनी, नार्डिक देश आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों के क्षेत्रफल के बराबर है। लेकिन सबसे बड़े दुख की बात यह है कि इसके अनुपात में नये जंगल लगाने की गति बेहद धीमी है।

लंदन के थिंक टैंक एनर्जी ट्रांसमिशन कमीशन की मानें तो समूची दुनिया में हर मिनट 17.60 एकड़ जंगल काटे जा रहे हैं। पर्यावरण विज्ञानी बर्नार्डो फ्लोर्स की मानें तो एक बार यदि हम खतरे के दायरे में पहुंच गये तो हमारे पास करने को कुछ नहीं रहेगा। यूके स्थित साइट यूटिलिटी बिडर की नयी रिपोर्ट की मानें तो जंगल बचाने की लाख कोशिशों के बावजूद दुनिया में वनों की कटाई में और तेजी आई है और उसकी दर चार फीसदी से भी ज्यादा हो गयी है। मौजूदा दौर की हकीकत यह है कि दुनिया में हर मिनट 21.1 हेक्टेयर में फैले जंगलों का खात्मा हो रहा है। फिर भी हम इस सबसे बेखबर से हैं।

वर्ष 2004 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाली केन्या की पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री रहीं बंगारी मथाई का बयान महत्वपूर्ण है कि जल, जंगल और जमीन के मुद्दे आपस में गहरे तक जुड़े हुए हैं। हमने प्राकृतिक संसाधनों और लोकतांत्रिक प्रशासन को बखूबी समझा है। वैश्विक स्तर पर भी यह प्रासंगिक है। प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन आज सबसे बड़ी जरूरत है। जब तक यह नहीं होगा, शांति कायम नहीं हो सकती। नोबेल पुरस्कार समिति की भी यही सोच है। समिति का भी मानना है कि पर्यावरण, लोकतंत्र और शांति के अंतर्संबंधों की पहचान जरूरी है। समिति ऐसे सामुदायिक प्रयासों को प्रोत्साहित करने की पक्षधर है जिससे धरती को बचाया जा सके। खासकर ऐसे समय में जब हम पेड़ों और पानी के साथ-साथ जैव विविधता की वजह से पारिस्थितिकी के संकट से जूझ रहे हैं।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि जब तक हम जल, जंगल, जमीन, खनिज और तेल जैसे संसाधनों का उचित प्रबंधन नहीं करेंगे तब तक गरीबी से नहीं लड़ा जा सकता। संसाधनों के उचित प्रबंधन के बगैर शांति कायम नहीं हो सकती। हम जिस रास्ते पर चल रहे हैं, यदि उसे नहीं बदला तो संसाधनों को लेकर नयी लड़ाइयां सामने खड़ी होंगी।

मौत की सजा से प्राण गंवाते तक भी चरणदास चोर ने सच बोलने का अपना प्रण नहीं तोड़कर एक मिसाल पेश की

(सुरेंद्र वर्मा-जरीनाज़ अंसारी)

रंगमंच की दुनिया में एक मास्टर पीस का दर्जा रखने वाले नाटक चरणदास चोर के पहले निर्देशन के तकरीबन पचास साल बाद स्थानीय रंग-निदेशक श्री सुनील चिपड़े ने गुजिश्ता 40 दिनों के वर्कशॉप में शहर के बिलकुल नये-नवेले युवक युवतियों को मांज-मांज कर ना केवल उन्हें कलाकार बनाया अलबत्ता उन्हें अलग अलग किरदारों की भूमिका के लिए चमकदार बनाते हुए नाटक चरणदास चोर की प्रस्तुति का बेशकीमती मौका भी दिया। अलबत्ता नाटक के पेशकशी के दौरान दीर्घा में हाजिर सैकड़ों दर्शको की बेतहाशा तालियॉ बटोरने में बेहद कामयाब रहे निदेशक सुनील चिपड़े छत्तीसगढ़ी बोली-भाषा और लोककला के प्रति अपनी और अपनी पूरी टीम की गहरी निष्ठा जताने में भी सफल रहे हैं। हालांकि कार्यक्रम के समापन संबोधन में मुख्य अतिथी श्री योगेंद्र चैबे खैरागढ़ संगीत वि.वि. में नाट्य विभाग के एच.ओ.डी.ने औपचारिक तौर पर इस पेशकश की जमकर तारीफ़हासिल करने का श्रेय भी निर्देशक के हिस्से में जरूर है, लेकिन इस नाटक के लेखक निर्देशक रहे हबीब तनवीर साहब की शख्सियत और उनकी खासियतों के बारे में सभागार में मौजूद नई पीढ़ी के दर्शकों को रू-ब-रू कराना भी कार्यक्रम की उद्घोषिका की लाजिमी जिम्मेदारी भी बनती थी पर इसे नजर अंदाज किए जाने के रोष-आक्रोश की सुगबुगाहट दीर्घा के सुधि लोगों में सुनी सुनाई होती रही। बहरहाल अपने पूर्व अनुभवों को साझा करते हुए निर्देशक सुनील चिपड़े ने अपने अंदाज-ए-बयां के जरिए दर्शको को यह बताकर मौजूदा लोगों का दिल जीतने में भी अग्रज रहे कि योगेश चूंकि हमारे नाट्य दल के आधार स्तंभ रहे हैं और बहोत सारे लोगों को जोड़ा है और जोड़े हुए लोगों को ता-उम्र उन्होने अग्रज नाट्य दल से कनेक्ट किया है। ये बहोत बड़ा योगदान है और दरअसल उनकी खासियत लोगों तक जानी चाहिए। यह सोच करके हम इस नतीजे पर पहुंचे कि ठीक है पर्सनल फीलिंग को किनारे रखकर उनकी स्मृति में यह आयोजन करते हैं। हम अग्रज नाट्य दल के मार्फ़त एक पुरस्कार की घोषणा कर रहे हैं जो कि ''योगेश स्मृति पुरस्कार'' होगा। योगेश एक ऐसा व्यक्ति रहा है कि जिसने अपने टीचिंग जॉब के साथ जिस जिस स्कूल में था उसने ड्रामा को लेकर बहुत काम किया मतलब साल भर में स्कूल के बच्चों के साथ चार चार ड्रामे तैयार कराना मामूली बात नहीं थी वो भी एक सरकारी सिस्टम में रहकर जबकि सरकारी सिस्टम में बहुत दबाव के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं लोग। उसने सरकारी सिस्टम से लड़कर के सांस्कृतिक कार्यक्रम किये और लगातार लोगों को कनेक्ट किया। ये चीज उसकी खासियत रही उसके पूरे सर्विस लाईफकी तो हमने यह तय किया है कि हर साल एक ऐसा व्यक्ति चुनेगें पूरे भारत में से जो शिक्षक होगा चाहे किसी भी प्राईवेट स्कूल का, सरकारी स्कूल का, कॉलेज का जो आर्ट फीलिंग के साथ बच्चों की पढ़ाई लिखाई को ''इनहेंस'' कर रहा होगा। तो इस घोषणा के साथ आप सभी से अनुरोध भी कर रहे हैं हम कि ऐसे लोंगो की सूची और ऐसे लोगों की प्रोफाईल आप हमें देना शुरू करें हम एक कमेटी बना लेगें और उस कमेटी के मार्फ़त हर साल एक व्यक्ति को ऐसे ही नाट्य समारोह में हम एक सम्मान देंगे। कहते हैं आर्ट एंड कल्चर की चीजें स्कूल से ही इंजेक्ट कर दी जाएं तो बहोत अच्छा आर्टिस्ट भले ही न बन पाए वो व्यक्ति उसे ऐक्टिंग नई करनी हो, ऐक्टिंग के बतौर प्रोफेसन उसने नई अपना हो, फिल्म में नई जाना हो, वो डॉक्टर बनेगा अच्छा, इंजीनियर बनेगा अच्छा, वकील बनेगा अच्छा, प्रोफेसर बनेगा लेकिन हम एक अच्छा श्रोता और अच्छा दर्शक पैदा करना चाहते हैं दरअसल यदि स्कूल लेबल पर ये काम हो गया तो हमारी कल्चरल जमात में हम बहोत सारे अच्छे दर्शक पैदा कर पाएंगे ये पूरी मुहिम योगेश जी की थी उसको आगे बढ़ाने के लिए हम ऐसे लोगों को खोजना चाहते हैं। लिहाजा ऐसे शिक्षक को खोजने का आव्हान कर सहयोग करने की अपील के साथ सुनील जी ने अपनी बात खत्म की और नाटक शुरू करने का आगाज किया। नाटक के समापन के बाद मंच पर कलाकारों कें साथ सेल्फी लेने की होड़ मचाए हुए दर्शकों में से कुछ लोगों से बातचीत कर रिव्यू लिये जाने के आशय से सबसे पहले मुखातिब हुआ वो हैं रेशमा गायकवाड़, जो जिला दुर्ग के ग्राम चिंगरी से है। बकौल रेशमा मैं वर्तमान में बिलासपुर में रहकर जॉब और पढ़ाई भी करती हूं। सिम्स ऑडिटोरियम में तीन दिनों के योगेश स्मृति नाट्य नाट्य समारोह में पद्म श्री हबीब तनवीर जी के नाटक चरणदास चोर के मंचन को देखकर मुझे बहुत बढ़िया लगा। मैं चरणदास चोर का नाम सुनी थी लेकिन उनके बारे में कुछ पता नहीं था। इस नाटक में चरणदास चोर के किरदार से मैं बहुत प्रभावित हुई हूं। इस नाटक में चरणदास चोर बहुत अच्छा इंसान था इस नाटक के माध्यम से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला जैसे कुछ काम हमें करना चाहिए कुछ काम हमें नहीं करना चाहिए चरणदास चोर भले ही चोर था लेकिन अपने सच्चाई और अच्छाई के कारण सब के दिलों में राज करता था वह अपना प्राण गंवा दिया लेकिन अपना प्रण नहीं तोड़ा। चरणदास अपने जीवन में कभी सोचा ही नहीं था कि मुझे कोई राजकुमारी शादी के लिए प्रस्ताव रखेंगी, मुझे कभी सोना के थाली में खाना खाने को मिलेगा किसी राज्य के राजगद्दी में

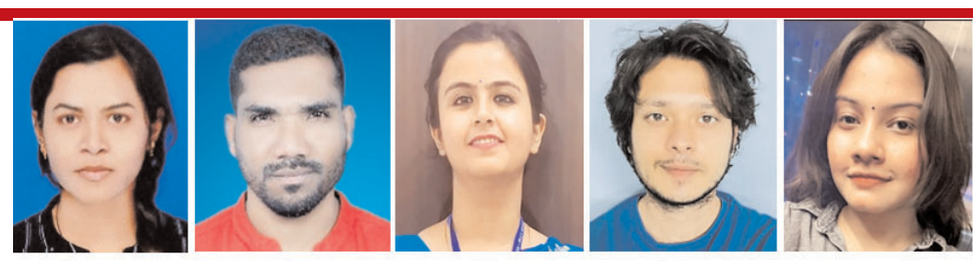

रेशमा | भुवनेश्वर | हर्षिता | रोहित | संस्कृति

बैठने का अवसर मिलेगा या हाथी में बैठकर जूलूस में जाने को मिलेगा उनका लगा कि मैं तो चोर हूं मेरे जीवन में ये सब कहां आएगा इसलिए यह अपने गुरू को मजाक-मजाक में ही प्रण दे दिए कि मुझे ये सब पाने का अवसर मिलेगा तो भी मैं स्वीकार नहीं करूंगा। हमें यह ये सीखने को मिला कि इंसान को हमेशा बड़ा सोच रखना चाहिए अपने आप को कभी छोटा नहीं समझना चाहिए, हमेशा अच्छा कर्म करना चाहिए सत्य बोलना चाहिए लोगों की भलाई करनी चाहिए यही हमारा धर्म है। अच्छा काम करने से मन को शांति मिलती है अगर हमारे पास बहुत सारा पैसा है और हमारे मन में शांति नहीं है तो वो समुद्र में नहाते हुए भी प्यास से मरने के समान है। सॅस्कृति सिंह :नया थिएटर के संस्थापक हबीब तनवीर साहब के नाटक चरणदास चोर का सफल मंचन अग्रज नाट्य दल द्वारा तैयार किया गया। प्रत्येक कलाकार का प्रदर्शन प्रशंसादायी रहा, इनमें से कुछ कलाकारों ने पहली बार अपने पॉव थियेटर में रखे थे,नए कलाकारों की मेहनत को हाल में गूंजती तालियां बता रहीं थीं कि उन्हें मेहनत का परिणाम मिल चुका है, नाटक में डॉयलाग्स के अलावा बात की जाए तो रूप सज्जा, प्रकाश परिकल्पना,स्टेज की कुशल व्यवस्था से अंत तक नाटक की गरिमा बरकरार रही। इस नाटक का मंचन पहली बार स्टेज में देखने से यह अनुभूति हुई कि अब भी रंगमंच से बहुत कुछ सीखना बाकी है। साथ ही खुशी भी हुई कि अब हमारे शहर के ज्यादातर लोगों में थिएटर के प्रति स्नेह और जागरूकता बढ़ रही है जो कि बेहद सराहनीय है। अंततः हर कलाकार को अपनी कला को निखारने हेतु प्रशंसक और आलोचक दोनों की आवश्यकता होती है, और यह कार्य दर्शक के बिना अधूरा है। मैं आशा करती हूं कि यह उत्साह और स्नेह हर रंगकर्मी को मिले। रोहित वैष्णव का कहना है कि इस नाटक की मूल कहानी राजस्थान के विख्यात लेखक विजयदान देथा द्वारा लिखी गई है। विदेशी धरती पर छत्तीसगढ़ी बोली, पंथी गीत, राउत नाच, सुआ गीत भजन आदि से सजे इस नाटक को अंतराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली। वर्तमान में नाटक और अभिनय में रूचि रखने वाले छत्तीसगढ़ के युवाओं को ही उनके बारे में जानकारी का अभाव है,। हबीब तनवीर द्वारा लिखित एवं निर्देशित हर नाटक अद्भुत संवादों और रचनात्मकता का घर है ऐसे में अग्रज नाट्य दल का ये प्रयास सराहनीय है। इंस्टाग्राम के ज़माने में बच्चों को छत्तीसगढ़ी लोक कला से जोड़ना और अभिनय की बारीकियॉ सीखना बिलासपुर के रंगमंच के भविष्य के लिए आवश्यक है। भुवनेश्वर यादव, जो बस्तरके जिला कोंडागांव ग्राम पतोड़ा के रहने वाले हैं। इस नाटक प्रस्तुति के परिदृश्य में बॉसुरी वादन के लिए अग्रज नाटक दल ने इन्हें अपना कला प्रदर्शन का अवसर प्रदान किये जाने से बेहद खुश नजर आए। उल्लेखनीय है कि मंचन के बीच बीच में झिंगुर की आवाज भी बासुरी से निकालने में इनकी हासिल महारत को दर्शकों,श्रोताओं में खास अटेंशन दिखाई दिया। इन्हें यह भी अच्छा लगा कि वर्तमान में सोशल मीडिया के जमाने में नाटक को सक्रिय रखने, रूचि लेने में सभागार में मौजूद पढ़े लिखे युवा, वृद्ध, बच्चे सहित नाटक विधा को आगे बढ़ाने में सहायक बनने के लिए अग्रज नाट्य दल को धन्यवाद देते हुए बताते हैं कि हारमोनियम में हितेन्द्र वर्मा, ढोलक,तबला-डुग्गी में आशीष यादव का संगीत प्रदर्शन में खूब मेहनत रही है।सुश्री हर्षिता कुमार यू तो अंचल में नामचीन उच्च-शिक्षित कथक-नृत्यांगना हैं,जाहिर कला विशेषज्ञ हैं। तभी तो इनका भी मानना है कि अग्रज के कार्यशाला में गुरूओं द्वारा सिखाई-बताई गई बारिकियों को आत्मसात कर जब कलाकारों ने नाटक मंचन किया तब मंत्रमुग्ध रहे दर्शकों के ठहाकों की आवाज से कलाकारों की मेहनत महसूस की जा रही थी। नाटक खत्म होने के बाद भी देर तक तालियां की गूंज से उम्दा निदेशन और बेहतरीन कला प्रदर्शन पर दर्शकों के मुहर लगाने का संकेत था। ऐसी कार्यशालाएं और रंगमंच को नया आयाम देने के लिए अग्रज नाट्य दल को शुभकामनाएं और बधाई। फोटो ग्राफिक्सः टोपेश चंद्रा।

गीली मिट्टी की तरह होते हैं बच्चे, जैसा आप बनाना चाहते हैं बना सकते हैं...

श्रमबिन्दु / रायपुर

बच्चे तो मन के सच्चे होते हैं और यह बिल्कुल ही गीली मिट्टी की तरह होते हैं.. आप इन्हें जिस रूप में आकार देना चाहते हैं, दे सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय कुम्हार की चाक पर हाथ चलाते हुए राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में शायद यहीं संदेश दे रहे थे। जशपुर जिले में अपने गृहग्राम बगिया में मुख्यमंत्री श्री साय ने अपनी पत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय के साथ कार्यक्रम स्थल पर चाक पर न सिर्फ हाथ आजमाए...उन्होंने गीली मिट्टी से दीया बनाकर मौके पर उपस्थित बच्चों और अभिभावकों को अलग-अलग संदेश दिया कि गीली मिट्टी की तरह बच्चे भी कोमल होते हैं और उन्हें किसी भी रुप में ढाला जा सकता है। वहीं दीया बनाकर उन्होंने अँधेरे को दूर करने में दीये की उपयोगिता को बताने की भी कोशिश की।

इस दौरान बगिया में कार्यक्रम स्थल पर लगायें एक-एक स्टाल का मुख्यमंत्री श्री साय ने अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों द्वारा तैयार मॉडल,सामग्रियों को देखकर उनकी सराहना की और उन्हें प्रेरित भी किया।

राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम स्थल पर अलग अलग विभागों की स्टाल लगाई गई थी। जिसमें स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों में वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा देने मॉडल, स्वास्थ्य विभाग द्वारा डायरिया के रोकथाम, आदिवासी विकास विभाग द्वारा एकलव्य आवासीय विद्यालय में अध्यापन और आदिवासी बच्चों को दी जाने वाली सुविधाएं, लाइवलीहुड कॉलेज नवगुरूकुल द्वारा आजीविका पाठ्यक्रम की जानकारी दी गई।

स्टाल में पीएमश्री प्राथमिक शाला लवाकेरा के विद्यार्थियों ने बैंड से देशभक्ति धुनों की प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की। शासकीय कन्या आश्रम बगीचा, पीएमश्री विद्यालय कडरेगा के बच्चों ने स्कूल में तैयार की गई मॉडल, वैज्ञानिक सोच और तार्किकता को बढ़ावा देने वाले मॉडल से मुख्यमंत्री का ध्यान अपनी ओर खींचा। छात्रा कु.अनामिका ,समिस्ता टोप्पो, दीपिका सिंह,दृष्टि साय, अनुष्का टोप्पो ने जादुई पिटारे सहित अन्य प्रस्तुत सामग्रियों के विषय में बताया। शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला पत्थलगांव के विद्यार्थियों ने हुनर के पेटी,खेल सामग्री ,जादुई पिटारा,बायो गैस मॉडल के माध्यम से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

शासकीय विद्यालय दोकड़ा द्वारा हेल्थकेयर सेजेस जशपुर के विद्यार्थियों द्वारा रोबोट के माध्यम से यातायात के दौरान दुर्घटना से बचाव,शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय जशपुर की श्रुति डहरे, सरस्वती और भूमिका डहरे ने श्री डी प्रिंटर के माध्यम से कलात्मक प्रिंट तैयार करने, हाइट फाइंडर के माध्यम से ऊंचाई नापने की जानकारी दी।

शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल चराई डाँड़ के विद्यार्थियों ने ड्रिप सिंचाई, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय गम्हरिया द्वारा मशरूम उत्पादन की जानकारी दी गई। स्टाल में बाँस कला, माटी कला अंतर्गत सामग्री की जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने स्टाल में मिली जानकारी को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि बच्चों की यह प्रतिभा जीवन में आगे बढ़ने के काम आएगी।

पशु तस्करी का फरार सरगना निगरानी बदमाश संजीव सिंह उर्फसंजू कांसाबेल पुलिस के हत्थे चढ़ा

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा मवेशी तस्करों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, पुलिस द्वारा निरंतर पशु तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही हुये मवेशियों को तस्करी होने से बचाया जा रहा है एवं तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों को निरंतर गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया जा रहा विगत दिवस दिनांक 02.07.2024 को पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह की विशेष पुलिस टीम ने थाना कांसाबेल क्षेत्र के ग्राम सिहारबुड़ में रविन्द्र नायक निवासी सिहारबुड़ एवं छोटू राम निवासी चरईडांड़ को 23 रास मवेषियों को पैदल करूरतापूर्वक मारते-पीटते हुये झारखंड प्रांत की ओर ले जाते हुये पाये जाने पर उनसे मवेषियों को जप्त कर उन दोनों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। रविन्द्र नायक एवं छोटू राम ने उक्त 23 रास मवेशियों को संजू सिंह का होना बताया। प्रकरण का मुख्य सरगना संजीव सिंह उर्फ संजू पुलिस को देखकर अपने बोलेरो वाहन सहित फरार हो गया था। प्रकरण की विवेचना दौरान मुखबीर से सूचना मिला कि संजीव सिंह उर्फ संजू थाना कांसाबेल क्षेत्र में अपने बोलेरो वाहन से घूम रहा है, इस सूचना पर उप पुलिस अधीक्षक श्री विजय सिंह राजपूत के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्यवाही हेतु रवाना किया गया, टीम द्वारा तत्काल रोड में घूम रहे संजीव सिंह को दबिष देकर अभिरक्षा में लिया गया एवं उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन को जप्त किया गया है। पूछताछ में संजीव सिंह ने उक्त मवेशियों को अपना होना बताया एवं रविन्द्र नायक एवं छोटू राम को हांकने हेतु लगाया था। अभियुक्त *संजीव कुमार सिंह उर्फ संजू उम्र 37 साल निवासी कुनकुरी (डुगडुगिया)* के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उसे दिनांक 05.07.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया हैप्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं संजीव सिंह की गिरफ्तारी में उप पुलिस अधीक्षक श्री विजय सिंह राजपूत, स.उ.नि. नीता कुर्रे, स.उ.नि. राजेश यादव, आर. 297 सुदीप एक्का, न.सै. 41 जोगेन्द्र एवं अन्य स्टॉफका योगदान रहा है।

निजात कार्यक्रम से आई अपराधों में जबरदस्त कमी

रायपुर। रायपुर पुलिस की निजात अभियान के तहत नशे के विरुद्ध लगातार प्रहार, विजिबल पुलिसिंग और अपराधियों पर सख्ती का अपराधों में कमी दिखने लगा है. अभियान के पांच माह में पिछले सालों की इसी अवधि की तुलना में आईपीसी के अपराधों में 8 फीसदी की कमी आई है.

मारपीट में 4त्न, हत्या व हत्या के प्रयास में 15त्न, चाकूबाजी में 40त्न, बलात्कार में 10, छेड़छाड़ में 23 फीसदी व चोरी में 4त्न की आई कमी आई है. एसएसपी संतोष सिंह ने बताया कि कुल दर्ज अपराधों में आबकारी एक्ट और ड्रग-विरोधी एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 3,682 व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई है, जिसमें से गैर-जमानतीय प्रकरणों में 451 आरोपियों को जेल भेजे गए. नशे के विरुद्ध जारी जनजागरुकता के तहत 5,12 कार्यक्रम किए गए. थानों में नशे के आदी लोगों की काउंसलिंग की जा रही है. इस वर्ष फरवरी माह से डीजीपी अशोक जुनेजा के निर्देशन में आईजी रायपुर अमरेश मिश्रा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर संतोष सिंह के मार्गदर्शन में अवैध नशा के विरुद्ध अभियान निजात चलाया जा रहा है. साथ ही विजिबल पुलिसिंग, प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियों और अड्डेबाजी व अपराधियों पर सख्ती किया जा रहा है. राजपत्रित अधिकारियों के पर्यवेक्षण में रायपुर के सभी थाना प्रभारियों द्वारा उनके क्षेत्र में अवैध नशा और अन्य अवैधानिक कार्य में संलिप्त लोगों के विरुद्ध ताबड़तोड़ तरीके से कार्रवाई की जा रही है.

निजात अभियान के पांच माह में पिछले सालों की इसी अवधि की तुलना में आईपीसी के अपराधों में 8 फीसदी की कमी हुई है. मारपीट में 4त्न, हत्या व हत्या के प्रयास में 15त्न, चाकूबाजी में 40त्न, बलात्कार में 10, छेड़छाड़ में 23 फीसदी व चोरी में 4त्न की आई कमी आई है. एसएसपी संतोष सिंह ने बताया कि कुल दर्ज अपराधों में आबकारी एक्ट और ड्रग-विरोधी एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 3,682 व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई है, जिसमें से गैर-जमानतीय प्रकरणों में 451 आरोपियों को जेल भेजे गए. नशे के विरुद्ध जारी जनजागरुकता के तहत 5,12 कार्यक्रम किए गए. थानों में नशे के आदी लोगों की काउंसलिंग की जा रही है. इस वर्ष फरवरी माह से डीजीपी अशोक जुनेजा के निर्देशन में आईजी रायपुर अमरेश मिश्रा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर संतोष सिंह के मार्गदर्शन में अवैध नशा के विरुद्ध अभियान निजात चलाया जा रहा है. साथ ही विजिबल पुलिसिंग, प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियों और अड्डेबाजी व अपराधियों पर सख्ती किया जा रहा है. राजपत्रित अधिकारियों के पर्यवेक्षण में रायपुर के सभी थाना प्रभारियों द्वारा उनके क्षेत्र में अवैध नशा और अन्य अवैधानिक कार्य में संलिप्त लोगों के विरुद्ध ताबड़तोड़ तरीके से कार्रवाई की जा रही है.

संपूर्णता अभियान के तहत 6 इंडिकेटर पर उपलब्धि लाएं : तोखन साहू

श्रमबिन्दु / रायपुर

आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री भारत सरकार तोखन साहू ने केन्द्र तथा राज्य शासन की प्राथमिकता वाली आकांक्षी विकासखण्ड के तहत शुक्रवार को गौरेला विकाखण्ड के ग्राम पंचायत सारबहरा में संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने संपूर्णता अभियान के तहत नीति आयोग द्वारा निर्देशित 6 इंडिकेटरों पर शत प्रतिशत उपलब्धि लाने कहा। साहू ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संपूर्णता अभियान के सभी इंडिकेटरों को संतृप्त करने के लिए योगदान देकर स्वास्थ्य, समर्थ और समृद्ध ब्लाक-जिला बनाने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिज्ञा दिलाई।

तोखन साहू ने कहा कि संपूर्णता अभियान का उद्देश्य आकांक्षी ब्लाक के सभी हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का संकल्प पूरा करने के लिए 6 इंडिकेटर पर फोकस किया है। उन्होने संपूर्णता अभियान के तहत नीति आयोग द्वारा निर्देशित 6 इंडिकेटरों पर शत प्रतिशत उपलब्धि लाने कहा। इनमें प्रथम तिमाही के दौरान प्रसवपूर्व देखभाल, लक्षित आबादी में मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की जांच, आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं की नियमित रूप जांच और उनको पूरक पोषण वितरण, मृदा परीक्षण और स्व-सहायता समूहों को रिवाल्विंग फंड प्रदान करना शामिल है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जीवन में आये सुखद बदलाव पर आधारित संदेश का प्रसारण भी किया गया।

मंत्री साहू ने कहा कि जनकल्याण और राष्ट्र विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी प्रतिबद्ध है। उन्होने केबिनेट की पहली बैठक में ही 3 करोड लोगों को आवास देने का निर्णय लिया। इसके साथ ही किसान सम्मान निधि, महतारी वंदन योजना की राशि, उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन प्रदाय सहित जनकल्याणकारी की दिशा में लगातार काम कर रहे है। साहू ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संपूर्णता अभियान के सभी इंडिकेटरों को पूरा करने के लिए योगदान देकर स्वास्थ्य, समर्थ और समृद्ध ब्लाक-जिला बनाने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिज्ञा दिलाई। उन्होने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन किया और संपूर्णता अभियान के प्रदर्शन बोर्ड पर हस्ताक्षर भी किए।

संपूर्णता अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण चौहान, कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी, पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए कौशल प्रसाद तेंदुलकर, प्रबल प्रताप सिंह जुदेव, कन्हैया राठौर, राकेश चतुर्वेदी, मुकेश दुबे, बृजलाल राठौर, ज्ञानेन्द्र उपाध्याय, गोपाल अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, नागरिक व समूह की महिलाएं उपस्थित थी।

खास खबर

छत्तीसगढ़ शासन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को है आत्मनिर्भर बनाना

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग का प्रमुख उद्देश्य ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है और इसके लिए विभाग द्वारा अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा रेडी टू ईट सप्लाई का काम महिलाओं को वापस सौंपा जा रहा है ताकि उन्हें रोजगार और आर्थिक स्थिरता मिल सके।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि रेडी टू ईट की सप्लाई में किसी भी प्रकार की कोई रुकावट नहीं हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं और सप्लाई चौन सुचारू रूप से चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के द्वारा महिलाओं का हक छीन कर उनका यह काम एनजीओ को दिया गया था, लेकिन हमारी सरकार के आने के बाद फिर से महिलाओं को इस काम में लगाया जा रहा है। हम महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें रोजगार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्रीमती राजवाड़े ने यह भी स्पष्ट किया कि बीज निगम के 162 करोड़ रुपये के पेमेण्ट को लेकर कोई भी अवरोध नहीं है और इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा।

आदिम जाति मंत्री श्री नेताम ने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत किया पौधरोपण

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन भी बात कार्यक्रम में देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने के आह्वान के तहत छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति व अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री रामविचार नेताम ने विगत दिवस कोरबा जिले के विकासखण्ड पाली के फारेस्ट रेस्ट हाऊस में अपने लघु प्रवास के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण से जोडने के लिए एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। साथ ही सभी स्कूलों छात्रावास, आश्रमों, अस्पतालों एवं आंगनबाड़ियों में भी अभियान चलाकर वृहद स्तर पर पौधरोपण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान मंत्री श्री नेताम ने जिले में आदिम जाति विकास विभाग अंतर्गत विभागीय योजनाजों के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का प्राथमिकता से लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों से पाली विकासखण्ड के यथासंभव विकास के संबंध में भी चर्चा हुई।

सीएम साय के विधानसभा क्षेत्र के अबीरा के ग्रामीणों के बीच पहुंचे विजय आदित्य सिंह जूदेव, कहा

जनता की समस्याएं जल्द होंगी दूर

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

क्षेत्र का लगातार जायजा ले रहे कुमार विजय आदित्य सिँह जूदेव फरसाबाहर क्षेत्र के अबीरा गाँव पहुंचे जहाँ उन्होंने ग्रामीण जनता की समस्याओं को सुना और उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया की जिन समस्याओं से उन्हें अवगत कराया गया है उसको जल्द ही मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी को अवगत कराकर निराकरण किया जायेगा.कुमार विजय आदित्य सिँह जूदेव ने बताया कि ग्रामीण जनता ने अपनी समस्याओं के संबंध में मुझे बताया है, कि अबीरा गाँव के लोगों की मांग है कि उनके गाँव की जर्जर सड़क को जल्द बनाए जाने की मांग की है. गाँव के लोगों को पीडीएस के चावल लेने के लिए कई किलोमीटर की सफर तय करना पड़ता जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है.उन्होंने बताया कि गाँव के लोंगो ने वहाँ मंदिर निर्माण के साथ, गाँव के लोगों की छोटी छोटी समस्याओं को दूर करने की मांग की, जिसका समाधान जल्द ही दूर किया जायेगा.इन समस्याओं से माननीय मुख्यमंत्री जी को अवगत करा कर जल्द किया जायेगा।

आकांक्षी ब्लॉक के मानकों की पूरा करने सभी की सहभागिता जरुरी : विधायक गोयल

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

नीति आयोग के आकांक्षी जिला-विकासखंड के सूचकांक का सम्पूर्णता अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम तोकापाल के कृषि मंडी परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक के सम्पूर्णता अभियान के सभी मानकों को सभी की सहभागिता से पूर्ण किया जाना है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी नागरिकों को लेना चाहिए, महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं से आर्थिक सम्बलता और स्वास्थ्य सुविधा से एक बेहतर स्वास्थ्य पाया जा सकता है। साथ ही किसानों के लिए मृदा परीक्षण की मिल रही सुविधा का लाभ से बेहतर कृषि कर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। प्रदेश सरकार की महतारी वंदन योजना, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जैसे अन्य योजनाओं का लाभ उठाएं।

कार्यक्रम में कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि सरकार ने आकांक्षी योजना का जिलों और आकांक्षी ब्लॉकों में संचालन कर अपेक्षाकृत पिछड़े और दूरदराज के क्षेत्रों के तेजी से विकास को सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। प्रदेश के 20 आकांक्षी ब्लॉकों में बस्तर जिले में तोकापाल ब्लॉक है जिसमें सरकार द्वारा निर्धारित सूचकांकों में पूर्णता की स्थिति पाने के लिए सम्बंधित विभाग द्वारा पहल की जा रही है। सम्पूर्णता अभियान के तहत तीन दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम में आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वास्थ्य के लिए दिए संदेश का सभी पालन करें। कार्यक्रम को पूर्व विधायक लच्छूराम कश्यप, सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे ने संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं सदस्य सहित जिला स्तरीय अधिकारी, बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि सम्पूर्णता अभियान का उद्देश्य 112 आकांक्षी जिलों और 500 आकांक्षी ब्लॉकों में चुने गए संकेतक में संतृप्ति (शत-प्रतिशत) प्राप्त करना है। संकेतक स्वास्थ्य पोषण कृषि, सामाजिक विकास और शिक्षा जैसे विषयों से संबंधित है। उक्त संकेतकों को आगामी तीन माह (01 जुलाई से 30 सितम्बर 2024) तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। सम्पूर्णता अभियान के तहत सूचकांको को शत-प्रतिशत करने का प्रयास किया जाएगा, इसमें पहली त्रैमासिक अवधि के दौरान प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, शत प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण, हाइपरटेंशन, शुगर एवं डायबटिज की जांच, महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत सभी गर्भवती महिलाओं को पूरक पोषण आहार प्रदान, मृदा परीक्षण उपरांत सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरण, सभी माध्यमिक विद्यालयों में विद्युतीकरण की सुविधा और सभी बच्चों को पाठ्यपुस्तक उपलब्ध कराना एवं शाला त्यागी बच्चों को फिर से मुख्यधारा से जोड़ने जैसे सूचकांक शामिल है। इसके अलावा कार्यक्रम में एनआरएलएम समूह से जुड़ी महिलाओं को रिवाल्विंग फंड प्रदाय किया जायेगा।

जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान यात्रा से 4 जुलाई को जिला एवं ब्लॉक स्तर पर सम्पूर्ण विकासखण्डों में स्कूली बच्चे, मितानीन, स्व सहायता समूह के द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में रैली का आयोजन किया गया। प्रत्येक ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर सभी ग्रामीणों के स्वास्थ्य जांच, कृषक संगोठी, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सम्पूर्णता अभियान के तहत उत्सव-मेला का आयोजन शुक्रवार को किया जा रहा है, जिला स्तरीय कार्यक्रम विकासखंड तोकापाल में आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक एवं कला जत्था, विभागीय स्टॉल, पोस्टर प्रदर्शनी, स्वास्थ्य जांच, शपथ कार्यक्रम किया गया। साथ ही सम्पूर्णता अभियान सभा जिले के समस्त विकासखण्डों के ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें संबंधित विभागों द्वारा सभी सूचकांकों के बारे में ग्रामीणों को जानकारी प्रदान की गई एवं आगामी तीन माह में इन सूचकांकों को ग्राम-ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाई जाएगी। सम्पूर्णता अभियान ज्योति कार्यक्रम 06 जुलाई को मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में आयोजन किया जाएगा साथ ही नुक्कड नाटक एवं कला जत्था के माध्यम से सूचकांकों के बारे में जानकारी दी जायेगी एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

सम्मान से प्रफुल्लित हुए नव प्रवेशी छात्र-छात्राएं

श्रमबिन्दु / अहिवारा

धमधा विकासखण्ड स्तरीय प्रवेश उत्सव का आयोजन दिनांक 04.07.2024 को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंगेजी माध्यम विद्यालय अहिवारा में हुआ। प्रवेश उत्सव के मुख्य अतिथि माननीय राजमहंत श्री डोमनलाल कोर्सेवाडा विधायक विधानसभा क्षेत्र अहिवारा, अध्यक्षता श्रीमती सरस्वती रात्रे अध्यक्ष जनपद पंचायत धमधा, श्री नटवरलाल ताम्रकार अध्यक्ष नगर पालिका अहिवारा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती चन्द्रकला मनहरे जिला पंचायत सदस्य दुर्ग, श्री जितेन्द्र साहू जिला पंचायत सदस्य दुर्ग, श्री रविशंकर सिंह प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य, श्री सतीश साहू विधायक प्रतिनिधि अहिवारा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समस्त अतिथियों का पुष्प गुच्छ से विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री कैलाश साहू, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्रीमती संगीता देवांगन, श्री बेनी राम वर्मा, श्री महावीर वर्मा बी.आर.सी. धमधा, श्री उत्तम साहू प्राचार्य सेजस अहिवारा, प्राचार्य, संकुल समन्वयको एवं प्रधानपाठको के द्वारा भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तक, गणवेश, व नि:शुल्क साइकिल वितरित करते हुए अबीर तिलक लगाकर एवं मुँह मीठा कराकर अतिथियों द्वारा स्वागत किया गया।

श्री कैलाश साहू विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी धमधा द्वारा स्वागत भाषण व प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। सम्मानिय अतिथियों व श्री अरविन्द मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। विकासखण्ड धमधा के उत्कृष्ट शिक्षक श्री पवन सिंह शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पोटिया को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन, श्री दिनेश कुमार वर्मा को 32 छात्रों का नवोदय विद्यालय परीक्षा में चयन, श्री यशवंत कुमार पटेल को जवाहर नवोदय विद्यालय में 79 सैनिक स्कूल में 01. जवाहर उत्कर्ष में 03 छात्रों का चयन, श्री खिलेश्वर साहू, श्री मती अनिमा चकवर्ती, श्री मती सपना बनोदे, व खेल, इंस्पायर अवार्ड, क्षेत्र में प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। श्री संजय तिवारी प्रधानपाठक पीएमश्री प्राथमिक विद्यालय बानबरद द्वारा अपने पूर्व शाला प्राथमिक शाला नवीन सेमरिया और प्राथमिक शाला देऊरझाल को स्मार्ट टीवी दान स्वरूप प्रदान किया गया।

विकासखण्ड धमधा के प्राचार्य, प्रधानपाठक, सीएसी, एवं शिक्षकों के विशेष सहयोग से प्रवेश उत्सव सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया।

जोक्स

गुरुजी का प्रवचन

दामाद अपने ससुराल में गुरुजी का प्रवचन सुनने गया।
गुरुजी बोलेः जो स्वर्ग जाना चाहता है, वह अपना हाथ ऊपर करो।
उसकी सास और बीवी ने हाथ उठायाए मगर दामाद ने नहीं उठाया
गुरुजी ने दामाद से पूछाः क्या तुम स्वर्ग नहीं जाना चाहते?
उसने जवाब दियाः बस ये दोनों चली जाएं तो मेरे लिए यहीं स्वर्ग बन जाएगा।

बीड़ी का बंडल

लड़की ने प्यार से लड़के के सीने पर अपना सर
रखा और बोलीः जानू, आपका दिल कितना कुरकुरा है।
लड़काः अरे पगली, दिल कुरकुरा नहीं है, जेब में बीड़ी का बंडल पड़ा है।

शरीफ

पतिः क्या तुम जानती हो दुनिया में सबसे ज्यादा शरीफ कौन है?
पत्नीः दुनिया में सिर्फ वही लोग शरीफहैं।
जिनके मोबाइल में पासवर्ड नहीं है।

बड़ी अफवाह

टिंकूः अगर आपकी प्रेमिका खूबसूरत, समझदार,
ध्यान रखने वाली, कभी न जलने वाली और अच्छा खाना बनाने वाली हो तो उसे आप क्या नाम देंगे?
पिंकूः दुनिया की सबसे बड़ी अफवाह।

धरती घूमना

भूगोल पढ़ाने वाली एक मैडम बहुत दुबली-पतली थीं।
उनकी पोस्टिंग एक गांव में हो गई।
एक दिन वो क्लास में बच्चों से प्रश्न पूछ रही थींः बताओ बच्चों, धरती घूमती हुई क्यों नजर आती है?
एक लड़के ने कहा, मैडम जी कुछ खा लिया करो।
बिना खाए स्कूल आओगी तो धरती ऐसे ही घूमती नजर आएगी।

बारिश में होने वाली समस्याओं से कैसे निपटें?

रिमझिम, बारिश का सुहावना मौसम आ गया है। यह मौसम तेज तपती गर्मी से हमें राहत दिलाता है तो बारिश में एक साथ कई समस्याएं भी लाता है। बारिश में होने वाली इन समस्याओं से कैसे छुटकारा मिले, आइये जानें-

- **घर रखें साफ सुथरा** : घर में जितनी गंदगी रहेगी, बरसाती कीड़े-मकोड़े उतनी ही संख्या में फैलेंगे। बरसात के मौसम में कई तरह के कीड़े मकोड़े बाहर निकल आते हैं जो खतरनाक और विषैले होते हैं। घर को जितना साफ सुथरा रख जाए उतने ही इनसे छुटकारा मिल सकता है।
- **गार्डन में करें छटाई** : अगर आपके घर से सटी हुई खुली जगह हो या घर का गार्डन बड़ा हो तो उनमें उगी खरपतवार या बड़ी घास हो तो उसे बारिश का मौसम शुरू होने से पहले ही काट-छांटकर साफ कर दें ताकि खतरनाक और विषैले जीव जंतुओं के छुपने का अंदेशा न रहे और आपका घर सुरक्षित रह सके।
- **बारिश में रहें महफूज** : आसमान में अगर बादल छाये हों और बारिश होने का अंदेशा हो तो घर से बिना छाता या बरसाती लिये बगैर न निकलें। कई बार बिना छाते या बरसाती के बारिश में अगर कहीं फंस जाएं तो भीगने के डर से लंबे समय बारिश बंद होने का इंतजार करना पड़ता है। मूसलाधार बारिश में भीगकर घर आने पर सर्दी और जुकाम हो सकता है और इस मौसम में अगर बीमारी घेर ले तो मुश्किल हो सकती है।

- **नंगे पांव न रहें** : घर में हों या बाहर, नंगे पावं तो बिल्कुल ही न चलें, क्योंकि ऐसे मौसम में सांप, बिच्छू काट सकते हैं। इसलिए जीव जंतुओं से सावधान रहने के लिए हर समय जूते और चप्पल पहनें। इस मौसम में प्लास्टिक के जूते चप्पल ही पहनें।
- **बिस्तर को झाड़ें** :अगर खुले स्थान पर बिस्तर बिछाया गया है तो बिस्तर को अच्छी तरह झाड़ लें। क्योंकि उसके ऊपर कोई खतरनाक जीव जंतु आ सकता है। रात के समय होने वाली बारिश से विषैले जीव जंतु घर के कोनों में भी छिपे हो सकते हैं। इसलिए सोने से पहले घर को अच्छी तरह चेक कर लें।
- **दरारें भरवाएं** : रसोई की नालियां, बाथरूम की नालियां तथा अन्य छोटी-बड़ी दरारों के साथ खिड़की दरवाजों के छोटे बड़े छेद को सोने से पहले अच्छी तरह बंद कर दें। क्योंकि इन छेदों में से छोटे लेकिन भयंकर जीव-जंतुओं के घुस जाने का डर बना रहता है।
- **कटे फल, चाट पकौड़ी न खाएं** : बरसात के दिनों में बाजार की बनी हुई चाट-पकौड़ी या देर तक रखे कटे फल बिल्कुल ही न खाएं। क्योंकि इस मौसम में बरसाती कीड़े-मकोड़े, मक्खियां खुले भोज्य पदार्थों को प्रदूषित कर देती हैं। इनको खाकर व्यर्थ मुसीबत न मोल लें आप बीमार हो सकते हैं।
- **कपड़े गीले न रखें** : बरसात में अकसर आकाश में घने काले बादल छाए रहते हैं। इस कारण कई-कई दिनों तक धूप के दर्शन तक नहीं होते। इसलिए ज्यादा कपड़े इस मौसम में न निकालें वरना उन्हें धोएं तो वे कई दिनों तक सूख नहीं पाएंगे।
- **चीजों को ढककर रखें** : रसोई में खाद्य पदार्थों के बर्तन व अन्य सामग्रियों के बर्तन बिल्कुल ढककर रखें ताकि इनमें बैक्टीरिया या कीटाणु प्रवेश न कर सके। इस मौसम में कीड़े-मकोड़े, छिपकलियां बढ़ जाती हैं। इनसे खाद्य पदार्थों के प्रदूषित होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

कमरदर्द सताए तो क्या करें उपाय?

काम करते समय लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से हमें कमरदर्द की शिकायत हो सकती है। वैसे कमरदर्द की और भी कई वजहें हो सकती हैं लेकिन गलत ढंग से बैठने से कमरदर्द होता है। बैठने, खड़े होने, सोने और ड्राइविंग से भी कमरदर्द हो सकता है। लंबे समय तक सीधे बैठने या एक ही मुद्रा में पॉजीशन में बदलाव किये बगैर बैठने से भी ऐसा होता है।

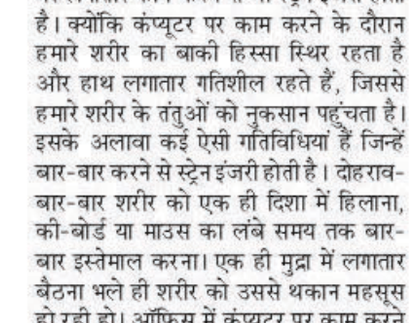

वर्कप्लेस पर कमरदर्द न हो

- हिप को 90 डिग्री की पॉजीशन में रखकर लगातार न बैठें। हिप ज्वाइंट को हल्का सीधा रखकर बैठें। इससे कमर में लचीलापन आता है। कमर के पीछे स्लाउच लगाएं। इससे कमर को सपोर्ट मिलता है। कमर को सीधा करके हर समय तनकर न बैठें।
- काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में कमर को कुर्सी की बैक पर टिकाएं। इससे स्पाइन के प्राकृतिक एस कर्व को सपोर्ट मिलता है। जमीन पर पैरों को रखें। बीच-बीच में पंजों के सहारे खड़े हों। सीट के अगले हिस्से और घुटनों के पिछले हिस्से को सपोर्ट दें।
- थोड़े-थोड़े अंतराल में अपनी पॉजीशन बदलते रहें। एक ही पॉजीशन में 20 मिनट से ज्यादा न रहें। यही वजह है कि हवाई जहाज में सफर, वर्कप्लेस में डेस्क पर, मूवी थियेटर में थोड़ी देर बाद ही हमें बैठने में परेशानी होने लगती है। थोड़ी देर बाद हमारे तंतु का लचीलापन कम हो जाता है। हमें लंबे समय तक एक ही पोजीशन में बैठने से असुविधा होती है।
- बार-बार पोजीशन बदलने से हमारे शरीर को फायदा होता है। घूमने, बैठने और स्ट्रैचिंग से हमारी मांसपेशियों में तनाव कम होता है।

आप क्या कर सकते हैं?

- जिस पॉजीशन में बैठने में हमें असुविधा हो रही हो, उसमें न बैठें।
- लंबे समय तक अगर कमर में दर्द बना रहता है तो डॉक्टर से संपर्क करें।
- अपने वर्क स्टेशन की अच्छी तरह जांच पड़ताल करें। एक सही वर्क स्टेशन से हम मांसपेशियों पर पड़ने वाले बार-बार के दबाव से बच सकते हैं और मांसपेशियों के खिचाव से भी राहत मिलती है।
- हम दिन में कितना समय कंप्यूटर पर बिताते हैं, उसी के अनुकूल हमारा वर्कस्टेशन होना चाहिए। जो लोग कंप्यूटर पर पूरा दिन काम करते हैं, उन्हें अपने वर्कस्टेशन पर खास ध्यान देना चाहिए।
- चेयर कंप्यूटर टेबल के अनुपात में हो। मॉनीटर, माउस, की-बोर्ड और लाइट की सही व्यवस्था होना जरूरी है। इससे बार-बार की स्ट्रेन इंजरी से बच सकते हैं।

कैसा हो वर्क स्टेशन?

- आपका वर्क एरिया का साइज इतना हो जिसमें आप आराम से बैठ सकें और दूसरे अन्य कामों को करने के लिए अपने शरीर को अच्छी तरह हिला-डुला सकें। कंप्यूटर के दूसरे उपकरणों और सामान को आसानी से ले सकें।
- वर्क स्टेशन पर काम करने के दौरान आपको जिन चीजों की जरूरत होती है, उन तक आपकी पहुंच आसान हो और किसी चीज को उठाने के लिए आपको एका-एक ज्यादा मुड़ना या स्ट्रैच न होना पड़े।
- अपने वर्कस्टेशन को खाली रखें। उन पर अनावश्यक चीजों को न रखें। डेस्क के नीचे का स्थान खाली और साफ-सुथरा होना चाहिए ताकि कंप्यूटर पर काम करने के दौरान टांगों को स्ट्रैच किया जा सके।
- कंप्यूटर टेबल की हाइट के अनुसार चेयर को अडजेस्ट करने के बाद पैर रखने के लिए फुटरेस्ट का इस्तेमाल करें। पैर फर्श पर रखने से शरीर को थकान ज्यादा होती है।

कंप्यूटर प्रोफेशनल को समस्या क्यों

वैसे तो स्ट्रेन इंजरी की कई वजहें हो सकती हैं। स्पोर्ट्स की गतिविधि, लगातार बुनाई या म्युजिक वाद्ययंत्र को बजाने से ऐसा होता है। कंप्यूटर पर लगातार काम करने से भी स्ट्रेन इंजरी होती है। क्योंकि कंप्यूटर पर काम करने के दौरान हमारे शरीर का बाकी हिस्सा स्थिर रहता है और हाथ लगातार गतिशील रहते हैं, जिससे हमारे शरीर के तंतुओं को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा कई ऐसी गतिविधियां हैं जिन्हें बार-बार करने से स्ट्रेन इंजरी होती है। दोहराव-बार-बार शरीर को एक ही दिशा में हिलाना, की-बोर्ड या माउस का लंबे समय तक बार-बार इस्तेमाल करना। एक ही मुद्रा में लगातार बैठना भले ही शरीर को उससे थकान महसूस हो रही हो। ऑफिस में कंप्यूटर पर काम करने के दौरान या टेबल चेयर पर अन्य काम करने के दौरान वर्कस्टेशन को अपने बैठने की पोजीशन में सही अडजेस्ट न करने के कारण भी स्ट्रेन इंजरी होती है। लगातार बिना आराम किये काम करने से हमारे शरीर को एक ही तरह की गतिविधि से थकान ज्यादा लगती है।

नमी से कैसे बचाएं लकड़ी का फर्नीचर?

बरसात के मौसम में हवा में नमी की मात्रा बढ़ने से घर के लकड़ी के फर्नीचर पर इसका साफ असर दिखने लगता है। फर्नीचर से चरमराहट आना, उसकी शेप बदलना, लकड़ी का फूलना, फफूंद लगना जैसे बदलाव दिखने लगते हैं। ऐसे में अपने महंगे लकड़ी के फर्नीचर की देखभाल के प्रति सजगता जरूरी है। बारिश की टिप-टिप में अपने फर्नीचर को कैसे सही रखें-

- **फर्नीचर को अंदर रखें** : फर्नीचर को बारिश के पानी से बचाने के लिए उसे घर के अंदर रखें। ज्यादा धूप से इसकी शेप और टैक्सचर खराब हो जाता है। यदि मजबूरीवश बाहर रखना ही पड़े तो लकड़ी के फर्नीचर को वाटरप्रूफ कवर से ढकें। फर्नीचर अगर गीला हो जाए तो उसे तुरंत सूखे कपड़े से पोंछ दें। क्योंकि नमी और गीलेपन की वजह से उसमें दीमक लग सकती है।
- **दीवार से हटाकर रखें** : लकड़ी की अलमारियां, वार्डरोब को दीवार से कुछ इंच की दूरी पर हटाकर रखें। क्योंकि दीवार में मौजूद नमी फर्नीचर को खराब कर सकती है। इस मौसम में नीम की पत्तियां या नैप्थलीन की गोलियां अलमारी में रखी जा सकती है।
- **दरवाजे, खिड़कियां बंद रखें** : बारिश के दौरान खिड़कियों को बंद कर दें ताकि दरवाजे और खिड़कियों से पानी भीतर न आए। बारिश बंद होने के बाद खिड़की, दरवाजों को खोला जा सकता है ताकि साफ हवा भीतर आए।
- **फर्नीचर की सफाई** : लकड़ी के फर्नीचर को साफ करने के लिए बरसात में गीले कपड़े का इस्तेमाल न करें। उन्हें हमेशा सूखे कपड़े से साफ करें। फर्नीचर की सफाई रोज करें। लंबे समय तक अगर सफाई न करें तो उनमें जमी मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया नमी पाकर उसे खराब कर सकते हैं।
- **वाटरप्रूफ एडहेसिव** : घर के लकड़ी के फर्नीचर की सुरक्षा के लिए पहले ही तैयारी कर लें। नमी के कारण फर्नीचर के जोड़ खुल जाते हैं इसलिए उनके जोड़ों के लिए लेमिनेशन और वाटरप्रूफ एडहेसिव का इस्तेमाल करें जो मार्किट में आसानी से मिल जाते हैं।
- **वैक्सिंग और ऑयलिंग** : लकड़ी के फर्श को अच्छी तरह से पॉलिश करना चाहिए और यह उसे नमी से बचाता है। सप्ताह में इन दिनों फर्नीचर की वैक्सिंग और ऑयलिंग करा लेनी चाहिए।
- **वातावरण की नमी** : लकड़ी के फर्नीचर पर गीले कपड़े न रखें, इससे उन पर गहरे धब्बे पड़ जाते हैं। लकड़ी के भीतर नमी की मात्रा ज्यादा बढ़ जाए तो उसमें क्रेक भी पड़ जाते हैं। वातावरण में नमी बढ़ने से फर्नीचर खराब हो जाता है, इसलिए गीले कपड़ों को घर के भीतर न सुखाएं और जहां तक हो सके घर के वातावरण को शुष्क बनाकर रखें। घर की सफाई करने के दौरान पंखे चलाएं ताकि फर्श जल्दी सूख जाए और घर में नमी न बढ़े। बारिश रूकने के बाद घर के दरवाजे खिड़कियां अच्छी तरह खोल दें।

अपने कपड़ों का चुनाव करें ध्यान से

कपड़े हमारी पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा होते हैं। ऐसे में बारिश के मौसम में कपड़ों का सिलेक्शन थोड़ा मुश्किल काम लगने लगता है। तो आइए जानते हैं उन कपड़ों के बारे में जिन्हें पहनकर आप स्टाइलिश भी लगेंगे और अगर बारिश में भीग भी गए तो चिपचिपापन नहीं होगा।

- **रेशमः** हल्के, बारीक और मिश्रिम रेशम के कपड़े मॉनसून के लिए बेहतर होते हैं। इसका एक रीजन इनका शाइन करता हुआ कलर भी होता है। जो बारिश में आपको और भी स्टाइलिश दिखाता है। यह कपड़े जल्दी सूख भी जाते हैं। इसके अलावा इसमें भीगने के बाद चिपचिपापन नहीं महसूस होता बल्कि आप पूरे समय फ्रेश महसूस करते हैं।
- **शिफॉनः** शिफॉन में लुक काफी अच्छा आता है। वहीं बारिश का मजा लेना है तो इसका आउटफिट आपके लिए बेस्ट साबित हो सकता है। आप अपनी पसंद के मुताबिक साड़ी, कुर्ती और टॉप चूज कर सकती हैं। इसकी खासियत यह है कि काफी आरामदेह तो होता ही है साथ ही यह जल्दी सूख भी जाता है।
- **कॉटनः** बारिश में मस्ती करना किसे नहीं पसंद होता। आखिरकार इतनी बेसब्री से इसका इंतजार होता है। लेकिन एक बार खलती है कि बारिश में भीगने के बाद चिपचिपापन हो जाता है। ऐसे में आप कॉटन का सिलेक्शन कर सकते हैं। यह काफी हिट रहता है। इसका रीजन यह भी है कि मॉनसून के उमस भरे मौसम में यह पसीने को अच्छे से सोख लेता है। वहीं अगर भीग भी गए तो भी यह जल्दी से सूख जाता है।
- **खादीः** अगर खादी का शौक रखते हैं तो मॉनसून के लिए यह बेस्ट है। खादी में आप जी भर के बारिश का मजा ले सकते हैं। यह कपड़ा भीगने के बाद चिपचिपाता भी नहीं है और सिलवटें भी नहीं पड़ती। आप खादी से बने कुर्ती और साड़ी अपनी पसंद के मुताबिक चुन सकती हैं।

प्रेरक कथा

जलाशय का राज

चलते-चलते क्षिप्रा नदी के तट पर पहुंचे। वहां नदी के शीतल जल में स्नान करने के बाद महाकाल को प्रणाम किया।

एक नगर में चार ब्राह्मण पुत्र रहते थे। चारों में गहरी मैत्री थी। चारों ही निर्धन थे। निर्धनता को दूर करने के लिए चारों चिन्तित थे। उन्होंने अनुभव कर लिया था कि अपने बन्धु-बान्धवों में धनहीन जीवन व्यतीत करने की अपेक्षा शेर-हाथियों से भरे कंटीले जंगल में रहना अच्छा है। निर्धन व्यक्ति को सब अनादर की दृष्टि से देखते हैं, बन्धु-बान्धव भी उस से किनारा कर लेते हैं, अपने ही पुत्र-पौत्र भी उस से मुख मोड़ लेते हैं, पत्नी भी उससे विरक्त हो जाती है। यह सोचकर उन्होंने धन कमाने के लिए किसी दूसरे देश को जाने का निश्चय किया। अपने बन्धु-बान्धवों को छोड़ा, अपनी जन्म-भूमि से विदा ली और विदेश-यात्रा के लिए चल पड़े ।

चलते-चलते क्षिप्रा नदी के तट पर पहुंचे। वहां नदी के शीतल जल में स्नान करने के बाद महाकाल को प्रणाम किया। थोड़ी दूर आगे जाने पर उन्हें एक जटाजूटधारी योगी दिखाई दिए। इन योगिराज का नाम भैरवानन्द था। योगिराज इन चारों नौजवान ब्राह्मणपुत्रों को अपने आश्रम में ले गए और उनसे प्रवास का प्रयोजन पूछा। चारों ने कहा, हम अर्थ-सिद्धि के लिए यात्री बने हैं। धनोपार्जन ही हमारा लक्ष्य है। अब या तो धन कमा कर ही लौटेंगे या मृत्यु का स्वागत करेंगे। इस धनहीन जीवन से

मृत्यु अच्छी है। योगिराज ने उनके निश्चय की परीक्षा के लिए जब यह कहा कि धनवान बनना तो दैव के अधीन है, तब उन्होंने उत्तर दिया, यह सच है कि भाग्य ही पुरुष को धनी बनाता है, किन्तु साहसिक पुरुष भी अवसर का लाभ उठा कर अपने भाग्य को बदल लेते हैं। पुरुष का पौरुष कभी-कभी दैव से भी अधिक बलवान हो जाता है। इसलिए आप हमें भाग्य का नाम लेकर निरुत्साहित न करें। हमने अब धनोपार्जन का प्रण पूरा करके ही लौटने का निश्चय किया है। आप अनेक सिद्धियों को जानते हैं। आप चाहें तो हमें सहायता दे सकते हैं, हमारा पथ-प्रदर्शन कर सकते हैं। योगी होने के कारण आपके पास महती शक्तियां हैं। हमारा निश्चय भी महान् है। महान् ही महान् की सहायता कर सकता है। भैरवानन्द को उनकी दृढ़ता देखकर प्रसन्नता हुई। प्रसन्न होकर धन कमाने का एक रास्ता बतलाते हुए उन्होंने कहा, तुम हाथों में दीपक लेकर हिमालय पर्वत की ओर जाओ। वहां जाते-जाते जब तुम्हारे हाथ का दीपक नीचे गिर पड़े तो ठहर जाओ। जिस स्थान पर दीपक गिरे उसे खोदो। वहीं तुम्हें धन मिलेगा। धन लेकर वापिस चले आओ। चारों युवक हाथों में दीपक लेकर चल पड़े। कुछ दूर जाने के बाद उन में से एक के हाथ का दीपक भूमि पर गिर पड़ा। उस भूमि को खोदने पर उन्हें ताम्रमयी भूमि मिली। वह तांबे की खान थी। उसने कहा, यहां जितना चाहो, तांबा ले लो। अन्य युवक बोले, मूर्ख, तांबे से दरिद्रता दूर नहीं होगी। हम आगे बढ़ेंगे। आगे इस से अधिक मूल्य की वस्तु मिलेगी। उसने कहा, तुम आगे जाओ, मैं तो यहीं रहूंगा। यह कहकर उसने यथेष्ट तांबा लिया और घर लौट आया। शेष तीनों मित्र आगे बढ़े। कुछ दूर आगे जाने के बाद उन में से एक के हाथ का दीपक जमीन पर गिर पड़ा। उसने जमीन खोदी तो चांदी की खान पाई। प्रसन्न होकर वह बोला, यहां जितनी चाहो चांदी ले लो, आगे मत जाओ। शेष दो मित्र बोले, पीछे तांबे की खान मिली थी, यहां चांदी की खान मिली है। निश्चय ही आगे सोने की खान मिलेगी। इसलिये हम तो आगे ही बढ़ेंगे। यह कहकर दोनों मित्र आगे बढ़ गये। उन दो में से एक के हाथ से फिर दीपक गिर गया। खोदने पर उसे सोने की खान मिल गई। उसने कहा, यहां जितना चाहो सोना ले लो। हमारी दरिद्रता का अन्त हो जायगा। सोने से उत्तम कौन-सी चीज है। आओ, सोने की खान से यथेष्ट सोना खोद लें और घर ले चलें। उसके मित्र ने उत्तर दिया, मूर्ख, पहले तांबा मिला था, फिर चांदी मिली, अब सोना मिला है। निश्चय ही आगे रत्नों की खान होगी। सोने की खान छोड़ दे और आगे चल। किन्तुए वह न माना। उसने कहा, मैं तो सोना लेकर ही घर चला जाऊंगा, तूने आगे जाना है तो जा। अब वह चौथा युवक एकाकी आगे बढ़ा। रास्ता बड़ा विकट था। कांटों से उसका पैर छलनी हो गया। बर्फीले रास्तों पर चलते-चलते शरीर जीर्ण-शीर्ण हो गया, किन्तु वह आगे ही आगे बढ़ता गया। बहुत दूर जाने के बाद उसे एक मनुष्य मिला, जिसका सारा शरीर खून से लथपथ था, और जिसके मस्तक पर चक्र घूम रहा था। उसके पास जाकर चौथा युवक बोला, तुम कौन हो? तुम्हारे मस्तक पर चक्र क्यों घूम रहा है? यहां कहीं जलाशय है तो बतलाओ, मुझे प्यास लगी है। यह कहते ही उसके मस्तक का चक्र उतर कर ब्राह्मणयुवक के मस्तक पर लग गया। युवक के आश्चर्य की सीमा न रही। उसने कष्ट से कराहते हुए पूछा, यह क्या हुआ? यह चक्र तुम्हारे मस्तक से छूटकर मेरे मस्तक पर क्यों लग गया? अजनबी मनुष्य ने उत्तर दिया, मेरे मस्तक पर भी यह इसी तरह अचानक लग गया था। अब यह तुम्हारे मस्तक से तभी उतरेगा जब कोई व्यक्ति धन के लोभ में घूमता हुआ यहां तक पहुँचेगा और तुम से बात करेगा। युवक ने पूछा, यह कब होगा? अजनबी, अब कौन राजा राज्य कर रहा है?

युवक, वीणा वत्सराज। अजनबी, मुझे काल का ज्ञान नहीं। मैं राजा राम के राज्य में दरिद्र हुआ था, और सिद्धि का दीपक लेकर यहां तक पहुंचा था। मैंने भी एक और मनुष्य से यही प्रश्न किये थे, जो तुम ने मुझ से किये हैं। युवक, किन्तु, इतने समय में तुम्हें भोजन व जल कैसे मिलता रहा? अजनबी, यह चक्र धन के अति लोभी पुरुषों के लिये बना है। इस चक्र के मस्तक पर लगने के बाद मनुष्य को भूख, प्यास, नींद, जरा, मरण नहीं सताते। केवल चक्र घूमने का कष्ट ही सताता रहता है। वह व्यक्ति अनन्त काल तक कष्ट भोगता है।

खास खबर...

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला अस्पताल के जीवन दीप समिति की बैठक

जिला अस्पताल में टेलीरेडियोलॉजिस्ट के माध्यम से मिलेगी सुविधा

श्रमबिन्दु / कोण्डागांव

जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला अस्पताल के जीवन दीप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने अस्पताल में वर्तमान में प्रदान की जाने वाली सेवाओं के विस्तार के संबंध में चर्चा करते हुए अधिक से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड योजना के तहत नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में एक्स-रे, सोनोग्राफी सहित प्रयोगशाला में प्रतिदिन दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में चर्चा की और सीटी स्केन हेतु टेलीरेडियोलॉजिस्ट के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला अस्पताल में सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी बैठक में दिए। जिला अस्पताल में लिफ्ट को एक सप्ताह के भीतर मरम्मत करवाने के निर्देश भी दिए। इस बैठक के दौरान जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ0 आरसी ठाकुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 आरके सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव शाय से अन्तराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अनिशा साहू ने की सौजन्य भेंट

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

हॉकी नर्सरी राजनांदगांव की होनहार अन्तराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी कु अनिशा साहू ने आज छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फ़िरोज़ अंसारी के साथ मुख्यमंत्री निवास रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव शाय से सौजन्य भेंट की और अपने अनुभव साझा किए,

कु अनिशा अभी हाल ही में भारतीय जूनियर महिला टीम का प्रतिनिधित्व कर लौटी है, टीम ने पिछले महीने 17 मई से 1 जुलाई तक बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी का दौरा किया था ।

कु अनिशा ने उक्त दौरे में अपना उत्तकृष्ट प्रदर्शन किया, और टीम को सफलता दिलाई। मुख्यमंत्री श्री शाय ने अनिशा के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी । और हर संभव सहयोग का वादा किया,। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि पूर्व पार्षद देवसरण सेन ,पार्षद राजेश यादव पूर्व पार्षद शेखर यादव, मुकेश ध्रुव, ऊजवल कसेर आदि उपस्थित थे।

गीला सुखा कचरा अलग अलग देने दिये समझाईस

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता सुबह सफाई निरीक्षण की कडी में आज नया बस स्टैण्ड, ममता नगर लेबर कालोनी क्षेत्र में सफाई का जायजा लेकर कर्मचारियों से रूबरू हो सफाई की जानकारी लिये और कालोनी में समुचित साफसफाई के निर्देश दिये। उन्होंने वार्ड की महिलाओं से घर में ही कचरा पृथककरण कर स्वच्छता दीदीयो को गीला सुखा कचरा अलग अलग देने की समझाईस दिये।

आयुक्त श्री गुप्ता आज प्रात: ममता नगर, लेबर कालोनी, सिविल लाईन, नया बस स्टैण्ड में सफाई निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से रूबरू हुये और निर्धारित समय तक सफाई कर कचरा उठाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सभी कर्मचारी उपस्थित रहकर सफाई करना सुनिश्चित करेंगे, बिना कारण कोई भी कर्मचारी अनुपस्थित नहीं रहेगा। बारिश को ध्यान में रखकर अपने अपने क्षेत्र में सफाई कार्य संपादित करेंगे। पानी भरान क्षेत्र के नाली नालों की ठीक से सफाई कर गड्ढे में भरे पानी का कच्ची नाली खोद कर निकासी करेंगे। उन्होंने वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक श्री राजेश मिश्रा एवं स्वच्छता निरीक्षक श्री दीपक श्रीवास्तव से कहा कि सभी वार्डो में निगम के सफाई कर्मी सफाई कार्य संपादित कर रहे है, उसमे किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा पार्षदों व नागरिकों की समस्या का भी हर संभव समाधान करे। आयुक्त श्री गुप्ता स्वच्छता दीदी से डोर टू डोर कचरा संग्रहण की जानकारी लेकर निर्धारित समय तक कचरा संग्रहण करने एवं सतप्रतिशत यूजर चार्ज वसूली के निर्देश दिये, उन्होंने घरो से गीला एवं सुखा कचरा पृथक पृथक दिया जा रहा है कि नही स्वच्छता दीदी से जानकारी ली और घर की महिलाओं से घर में ही कचरा पृथककरण कर गीला व सुखा कचरा अलग अलग देने समझाईस दिये। उन्होंने कहा कि अलग अलग कचरा देने से कचरा ले जाने में सुविधा होगी एवं सेन्टर में कचरा पृथककरण करने का समय बचेगा तथा गीला कचरा सीधा खाद बनाने पीठ में डाला जायेगा।

चिकित्सक दिवस के अवसर पर मेडिकल कालेज में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव। भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव में चिकित्सक दिवस के अवसर पर ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता डॉ. रेणुका गहिने एवं पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिमा कुजूर ने पौधरोपण के साथ शिविर का शुभारंभ किया। अधिष्ठाता डॉ. रेणुका गहिने ने चिकित्सक दिवस के अवसर पर चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों द्वारा रक्तदान करने पर प्रशंसा की। उन्होनें सभी रक्तदाता चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुये आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष शिशुरोग विभाग डॉ. अजय कोसाम, डॉ. राघव अग्रवाल, डॉ. अनिरूद्ध गांधी, ब्लड सेंटर बीटीओ डॉ. जलज गौतम समेत कुल 51 चिकित्सकों एवं मेडिकल विद्यार्थियों ने रक्तदान किया।

अब जो बारिश की इनायत हुई, तो लगा कि जैसे कुदरत की मेहरबानी हुई...

वृक्षारोपण महाभियान अंतर्गत जिले भर में 40 हजार से अधिक पौधे लगाए गए, जनसामान्य में रहा अभूतपूर्व उत्साह

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

अब जो बारिश की इनायत हुई, तो लगा कि जैसे कुदरत की मेहरबानी हुई। बारिश के साथ ही राजनांदगांव शहर की हरीतिमा मुग्ध कर रही है। शासन की मंशा के अनुरूप शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मिशन जल रक्षा अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए वृक्षारोपण महाभियान अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा उद्योगों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं जनसहभागिता से सघन पौधरोपण किया गया और जिले भर में 40 हजार से अधिक पौधे लगाए गए। ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों के तालाबों, शासकीय स्कूलों, चारागाह, पशु आश्रय स्थल, आंगनबाड़ी, धान खरीदी केंद्र, विभिन्न सड़कों में पौधरोपण किया गया। कहते हैं कि प्रकृति रक्षति रक्षित: अर्थात् प्रकृति उसकी रक्षा करती हैं जो प्रकृति की रक्षा करते हैं। ऐसी ही एक बानगी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिले भर में दिखाई दी। जैव विविधता के संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति तादात्म्य बनाये रखने के लिए जिलेवासियों का जज्बा एवं जूनून एक अलग ही रूप में प्रगट हुआ। इस बारिश में विभिन्न तरह के पौधे पुष्पित एवं पल्लिवत होंगे। शहर की यह फिज़ां देखकर निदा फाजली कि यह पंक्तियां प्रासंगिक लगती है-

मुद्दत के बाद धूप की खेती हरी हुई,
अब के बरस, बरस गई बादल की ओढनी

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए तथा पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने के लिए सभी सहभागी बने। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के नेतृत्व में जिले में संचालित वृक्षारोपण महाभियान में सभी दिल से जुड़कर शामिल हुए। पौधरोपण के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए गए। पौधरोपण के लिए मिशन मोड में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया। मिशन जल रक्षा अंतर्गत जल संरक्षण अंतर्गत सबके सहयोग से कारगर कदम उठाये जा रहे हैं। जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशन में टीम ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए जागरूकता लाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। लगातार समन्वय एवं मेहनत का सुखद परिणाम यह रहा कि एक ही दिन व्यापक पैमाने पर इतनी बड़ी संख्या में पौधरोपण किया गया। वन, जिला पंचायत, नगर निगम, कृषि, उद्यानिकी, शिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, जिले के सभी उद्योग एवं स्वयं सेवी संस्थाएं द्वारा जनसहभागिता से वृहद रूप से कार्य किया गया।

एक साथ इतने पैमाने पर पौधों की व्यवस्था की जिम्मेदारी ली गई। अमरूद, जामुन, आम, आंवला, कटहल, बादाम, पीपल, बरगद, नीम, अनार, चीकू, नींबू, बेर, केला सहित विभिन्न वेरायटी के पौधों का रोपण किया गया। सेन्ट्रल ग्राऊण्ड वाटर बोर्ड के सर्वे के अनुसार डोंगरगांव, डोंगरगढ़ एवं राजनांदगांव क्रिटिकल जोन में आ गए हैं। लगातार बोर एवं पंप से भू-जल दोहन के कारण भू-जल स्तर में गिरावट आयी है। जिले में मिशन जल रक्षा के तहत विभिन्न जलीय संरचनाओं के माध्यम से भू-जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

वृक्षारोपण महाभियान में स्वयं सेवी संस्थान अंतर्गत उद्याचल, ब्लू बर्ड फाउंडेशन, वृक्ष गंगा ग्रुप तथा उद्योगों में एबीस एक्सपोर्ट, कमल फुड्स प्राईवेट लिमिटेड, राजाराम मेज प्रोड्क्टस, सिम्पलेक्स इंजीनियरिंग एण्ड फाउंड्री वर्क्स, खेतान केमिकल्स, नाद नानवूवन प्राईवेट लिमिटेड, सनटेक जियो टेक्सटाईल्स प्राईवेट लिमिटेड, आरबी रूंगटा स्टील्स एण्ड फुड प्रोड्क्टस प्राईवेट लिमिटेड, केस्ट स्टील एण्ड पावर लिमिटेड, कमल साल्वेट एक्स्ट्रक्शन, जया स्पेशिलिटी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड, हीरा स्टील्स लिमिटेड, एलेक्सर कार्बो प्राईवेट लिमिटेड, यूनीवेब्स स्लीपर्स प्राईवेट लिमिटेड, थर्मोकेयर रॉकवुल (आई) प्राईवेट लिमिटेड, रामदेव रिफाईनरी प्राईवेट लिमिटेड, वर्धमान रोप्स प्राईवेट लिमिटेड, जयसवाल निक्को इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, अम्बाभवानी फेब इंजीनियरिंग वर्क्स एलसीपी, आदर्श इस्पात उद्योग प्राईवेट लिमिटेड, ओरियेन्ट इस्पात प्राईवेट लिमिटेड एण्ड पीएस स्टील ट्यूब्स प्राईवेट लिमिटेड, पॉलीब्राण्ड रॉक फाईबर प्राईवेट लिमिटेड, विक्रांत रोप्स प्राईवेट लिमिटेड, एमजी रिकलेम्स, ग्रेबटेक फेब्रीक्स एलएलपी, एनजीओ, सनातन धर्म महासभा द्वारा पौधरोपण किया गया।

शासकीय प्राथमिक शाला बांसपहाड़ में शाला प्रबंधन विकास समिति के सदस्यों ने किया द्वारा पौधा रोपण

श्रमबिन्दु / डोंगरगढ़

वनांचल क्षेत्र शासकीय प्राथमिक शाला बांसपहाड़ में शाला प्रबंधन विकास समिति के सदस्यों के द्वारा पौधा रोपण किया गया प्रभारी प्रधान पाठिका श्रीमती विद्या साहू एवं सहायक शिक्षिका सुश्री कविता मांडवी के द्वारा वृक्षारोपण की महत्व पर प्रकाश डाला एवं माता को पेड़ों के महत्व को बताते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया। वृक्षारोपण के अवसर पर सरपंच श्रीमती त्रिज्या भाई नवनिर्वाचित अध्यक्षा श्रीमती सोना मांडवी ,श्रीमती माहेश्वरी ,श्रीमती अमना ,श्रीमती हेमा ,श्रीमती ललिता श्री भुवनेश्वर नागवंशी ,श्री तुलसी मंडावी एवं अन्य पालक गण प्रतिवर्ष पांच पांच पौधे रोपने का संकल्प लिया एवं वृक्षारोपण किए गए पौधों के साथ ही अन्य पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल का संकल्प लिया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने त्रिनेत्र योजना एवं ट्रैफिक सिग्नल का लिया जायजा

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

दिनांक 05.07.2024 को संतोष पाण्डेय सांसद, संसदीय क्षेत्र राजनांदगांव द्वारा अपने राजनांदगांव प्रवास के दौरान राजनांदगांव शहर में प्रशासन, पुलिस, पब्लिक एवं प्रेस की आपसी सामंजस्य से त्रिनेत्र योजना अंतर्गत लगे सी.सी.टी.व्ही कैमरे व पुराने एवं नये निर्माणाधीन सी.सी.टी.व्ही कन्ट्रोल रूम का भ्रमण कर जायजा लिया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग द्वारा सांसद महोदय को त्रिनेत्र योजना के संबंध में विस्तार से बताया गया। यह योजना कलेक्टर राजनांदगांव श्री संजय अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव श्री मोहित गर्ग की महत्वकांक्षी योजना है जिसके लिए दोनों अधिकारियों द्वारा पहल करते हुए राजनांदगांव शहर के व्यापारियों एवं सामाज के विभिन्न वर्गो से लगातार मीटिंग कर राजनांदगांव शहर को सुरक्षित करने और यातायात व्यवस्था सुदृढ करने की दिशा में कार्ययोजना तैयार की गई। त्रिनेत्रम देश का ऐसा पहला प्रोजेक्ट है जो बिना किसी शासकीय मद के केवल जन सहयोग से शहर में लगभग 01 करोड़ रूपये से अधिक खर्च कर नये 385 सी.सी.टी.व्ही. कैमरा जिसमें अत्याधुनिक ए.एन.पी.आर. कैमरा 25 नग, व्हेरीफोकल कैमरा 300 नग, पी.टी.जेड. कैमरा 10 नग एवं 80मीटर फोकस कैमरा 50 नग लगाये जायेंगे। शहर में पूर्व से लगे 152 सी.सी.टी.व्ही. कैमरा और 03 चौक में ट्रेफिक सिग्नल लगा हुआ था जो अब और 07 चौक में नये ट्रेफिक सिग्नल लगाये गये हैं। वर्तमान में शहर में कुल 10 ट्रेफिक सिग्नल है जिससे यातायात व्यवस्था सुदृढ़ की जा रही है। त्रिनेत्र योजना को सफल बनाने में शहर के सभी वर्ग के लोगों, व्यापारियों की मुख्य भूमिका रही है उनके आर्थिक सहयोग के कारण शासन और प्रशासन को सी.सी.टी.व्ही. कैमरा लगाने में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। माननीय सांसद श्री संतोष पाण्डेय द्वारा कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव तथा त्रिनेत्र योजना के सहभागी समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित विभिन्न सामाजिक वर्ग, व्यापारी, प्रेस एवं संस्कारधानी राजनांदगांव के लोगों की यह सार्थक पहल व शहर की सुरक्षा के लिए योगदान देने के लिए सभी को शुभकामना दी है।

बैठक पश्चात दिवंगत आत्माओं को दो मिनट की मौन श्रृध्दांजलि दी

परिसीमन को लेकर कांग्रेस संगठन सजग

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

आगामी नगरीय निकाय चुनाव में सभी वार्डों में सामान्य जनसंख्या हो जिसको लेकर प्रदेश सरकार द्वारा जनसंख्या के आधार पर वार्डों का परिसीमन किया जा रहा है। इसी के तहत 04 जुलाई गुरूवार को शहर कांग्रेस द्वारा अतिआवश्यक बैठक आयोजित कर रायशुमारी की गई।

शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि नगरीय निकाय चुनाव के पहले शासन द्वारा वार्डों का परिसीमन किया रहा है। इस हेतु शहर कांग्रेस कांग्रेस द्वारा गुरूवार 04 जुलाई को पूर्व मंत्री धनेश पाटिला की अध्यक्षता में स्थानीय कांग्रेस भवन में कांग्रेस पार्षद दल, छाया पार्षद व वरिष्ठ कांग्रेसजनों की आवश्यक बैठक आहूत कर परिसीमन के संबंध में चर्चा कर सुझाव मांगे। जिस पर सभी कांग्रेसजनों ने जनगणना कराने उसके बाद ही परिसीमन पर अपने सुझाव दिए ताकि शहर की जनता को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

परिसीमन के संबंध में चर्चा करते हुए महापौर हेमा देशमुख ने कहा कि इस समय परिसीमन की आवश्यकता नहीं है पहले जनगणना किया जाए उसके आधार पर जो-जो वार्ड बड़े व जनसंख्या अधिक है वहां पर नए वार्ड बनाया जाए। ताकि शासन की योजना व मूलभूत आवश्यकताओं का लाभ प्रत्येक वार्डवासियों को मिल सके। इस बात पर सभी कांग्रेसजनों ने सहमति दी शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि शासन द्वारा वर्ष 2021 में जनगणना किया जाना था किन्तु कोरोना महामारी के चलते जनगणना नहीं हो पाई है। बिना जनगणना के वार्डों का परिसीमन संभव नहीं है क्योंकि इससे कैसे पता चलेगा कि किस वार्ड में कितनी जनसंख्या है। कांग्रेसजन शासन से मांग करती है कि सबसे पहले तो जनगणना किया जाए उसके बाद ही वार्डों का परिसीमन किया जाए, रही बात आगामी निकाय चुनाव की तो पुराने परिसीमन के आधार पर ही चुनाव कराया जाए। इस संबंध में पीसीसी को अवगत कराकर उचित मार्गदर्शन लेकर आगामी कार्ययोजना पर चर्चा करेंगे। बैठक पश्चात कांग्रेसजनों द्वारा पूर्व विधायक अग्नी चंद्राकर, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेसी भंवरलाल टाटिया, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश शर्मा के पुत्र विनय शर्मा, पार्षद संतोष पिल्ले की माता व पूर्व एल्डरमैन एजाजूर रहमान की पत्नी व लखोली निवासी कांग्रेस कार्यकर्ता पवन साहू को दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राजनांदगांव पुलिस द्वारा जिले भर में एम.सी.पी. लगाकर चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश ठाकुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना चौकी प्रभारियों एवं यातायात शाखा को निर्देश दिया गया था की अपने-अपने थाना क्षेत्रों में एम.सी.पी. लगाकर दुपहिया और चारपहिया वाहन की चेकिंग कर संदिग्ध लोगों पर नजर बनाये रखें। अवैध शराब, या अन्य मादक पदार्थों एवं संदिग्ध सामग्रियों पर रोक लगाने हेतु वाहनों की चेकिंग करने तथा कानून-व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाये रखने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देश दिया गया था। जिसके तहत् जिले के समस्त थाना/चौकी एवं यातायात पुलिस द्वारा दिनांक 04/05/2024 को रात्रि 08:00 से 12:00 बजें तक एम.सी.पी. लगाकर आने जाने वाले संदिग्ध, वाहन, वस्तु व्यक्ति की जांच की गई। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले के विरूद्ध 05 प्रकरण में कार्यवाही की गई, चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लघंटन करने वाले कुल 86 प्रकरण दर्ज कर उनके विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कुल 84300/-रूपये जुर्माना की कार्यवाही की गई साथ ही उन्हें यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के संबंध में जागरूक भी किया गया।

विधायक ने माकड़ी में किया विकासखण्ड स्तरीय संपूर्णता अभियान का शुभारंभ

श्रमबिन्दु / कोण्डागांव

विधायक सुश्री लता उसेंडी ने शुक्रवार को माकड़ी में विकासखण्ड स्तरीय संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण व सामाजिक विकास के आयामों से जुड़े 6 महत्वपूर्ण इन्डीकेटर को आकांक्षी जिला कोण्डागांव व विकास खण्ड माकड़ी में तेजी के साथ संतृप्त करने हेतु 4 जुलाई से 30 सितम्बर तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी के तहत माकड़ी में आज विकासखण्ड स्तरीय संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 30 सितम्बर 2024 तक चलेगा। इस अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की उचित देखभाल और पर्याप्त पोषण आहार की उपलब्धता, सभी बच्चों का टीकाकरण, मिट्टी का स्वास्थ्य परीक्षण, बच्चों की शिक्षा और महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होनें कहा कि स्वास्थ्य, सामर्थ्य व समृद्ध भारत के निर्माण हेतु नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिलों के तहत चयनित देश के आकांक्षी जिलों व आकांक्षी ब्लाकों में विकास के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु यह अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी को मिल-जुलकर कार्य करने की अपील की।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अविनाश भोई ने कहा कि इस अभियान के अन्तर्गत आकांक्षी ब्लाक माकड़ी को जिन 6 इन्डीकेटर्स पर संतृप्त किया जाना है, उसमें प्रमुख रूप से गर्भवती महिलाओं पर समय पर प्रसव जांच के पूर्व देखभाल एवं गर्भवती महिलाओं को पूरक पोषाहार की उपलब्धता, सभी बच्चों का पूर्ण टीकाकरण किया जाये और प्रत्येक व्यक्ति की मधुमेव व उच्च रक्तचाप की नियमित जॉच, लाभार्थियों को मृदा परीक्षण कार्ड का वितरण एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रिवाल्विंग फण्ड के माध्यम से आजीविकामूलक कार्यों को गति प्रदान करना, स्कूली बच्चों को निशुल्क किताबें और स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है।

इस अवसर पर विधायक सुश्री उसेंडी द्वारा संपूर्णता अभियान प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया।

इसके साथ ही यहां रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के उत्कृष्ट सदस्यों को सम्मानित किया गया। सभी विभागों द्वारा संपूर्णता अभियान से संबंधित सभी संकेतकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर विधायक सुश्री लता उसेंडी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई नीति आयोग की यंग प्रोफेशनल नुपूर गोहरी जनपंद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र धुरडे, पीएमयू अभियन रात्रे, आकांक्षी विकासखण्ड फैलो धनेश्वर देवांगन सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नव प्रवेशी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर और मुंह मीठा कर किया गया स्वागत

विद्यार्थी माता-पिता के भावनाओं के अनुरूप काम करें और गुरूजनों के प्रति सम्मान की भाव रखें- सांसद बघेल

श्रमबिन्दु / दुर्ग

सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में तथा विधायक अहिवारा डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, विधायक वैशालीनगर रिकेश सेन और विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर की गरिमामयी उपस्थिति में जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उ.मा. शाला वैशालीनगर में सम्पन्न हुआ। जिला प्रसाशन एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी भी सम्मिलित हुई। अतिथियों द्वारा विद्या की देवी सरस्वती की तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि सांसद श्री बघेल एवं अन्य अतिथियों ने आंगनबाड़ी केंद्र खुर्सीपार के बच्चों को तिलक लगाकर मिठाई खिलाई। इसी कड़ी में विद्यालय के पहली, छठवी, नवमीं और ग्यारहवीं कक्षा के नवप्रवेशी विद्यार्थियों को भी तिलक लगाकर गणवेश और पाठ्यपुस्तक भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यालय की 10 छात्राओं को सायकल भी वितरित की गई। इसके अलावा कक्षा दसवीं की परीक्षा उत्कृष्ट अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले 14 मेधावी छात्राएं तथा कक्षा बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 9 मेधावी छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उल्लास और उमंग के साथ आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित करते हुए सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मंशानुरूप विकसित भारत बनाने की पहल में देश के हर नागरिक को शिक्षित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति निरक्षर ना रहे, इसके लिए सरकार की पहल जारी है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से कहा वे निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए सद्भावना पूर्वक सेवाभाव से सहयोग करेंगे।

मुख्य अतिथि सांसद श्री बघेल ने कहा कि सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की यह देन है कि आज बेटियां शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने माता-पिता की भावनाओं के अनुरूप काम करें। साथ ही गुरूजनों के प्रति हमेशा सम्मान का भाव रखे।

शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद बघेल ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि सांसद बघेल ने उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान की शपथ दिलाई। विधायक श्री ललित चंद्राकर ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनाएं दी। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को विश्व गुरू बनाने के सपने को साकार करने का आह्वान किया। विधायक रिकेश सेन ने विद्यालय की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा मिलने पर शासकीय स्कूल के विद्यार्थी भी हर क्षेत्र में सफल हुए है। इस दिशा में वैशालीनगर के इस विद्यालय ने भी बेहतर शिक्षा की दिशा में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने इसके लिए विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी।

महादेव सट्टा ऐप के पैनल संचालक की मौत

हैदराबाद में छापेमारी के दौरान बिल्डिंग से लगाई थी छलांग

श्रमबिन्दु / भिलाई

महादेव सट्टा ऐप के पैनल संचालक की मौत हो गई है। करीब सप्ताह भर पहले हैदराबाद में दुर्ग पुलिस की दबिश के दौरान उसने बिल्डिंग से छलांग लगा दी थी। इसके बाद से उसका इलाज किया जा रहा था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। इस मामले में पुलिस 6 आरोपियों को लेकर भिलाई पहुंची थी। पकड़े गए सभी आरोपी भिलाई के रहने वाले थे।

पिछले सप्ताह एंटी साइबर क्राइम यूनिट की टीम ने हैदराबाद में दबिश देकर ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल चलाने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। दुर्ग पुलिस ने हैदराबाद के एक फ्लैट में छापेमारी की। पुलिस की कार्रवाई के दौरान पैनल के संचालक भिलाई के कैंप निवासी सुजीत साव ने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी थी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान गुरुवार दोपहर को उसकी मौत हो गई है।

बिना सूचना के रेड को लेकर हैदराबाद पुलिस ने जताई थी नाराजगी

बता दें जब दुर्ग पुलिस ने हैदराबाद के फ्लैट में रेड की और सुजीत साव बिल्डिंग से कूद गया। इसके बाद अपार्टमेंट के आसपास भीड़ लग गई। इस दौरान हैदराबाद की पुलिस भी पहुंच गई और दुर्ग पुलिस के चार सिपाहियों को थाने में बिठा दिया। इसके बाद दुर्ग पुलिस के सिपाहियों ने पूरी बात बताई और अपना आईकार्ड दिखाया। इसके बाद हैदराबाद पुलिस ने बिना उन्हें सूचना दिए रेड किए जाने को लेकर नाराजगी जताई। इसके बाद 6 आरोपियों को दुर्ग पुलिस को ले जाने दिया गया। दुर्ग पुलिस 6 आरोपियों को लेकर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटाप, मोबाइल समेत लाखों का लेखा-जेखा बरामद किया।

खास खबर

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा के सबंध में बैठक आयोजित की गई

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कार्यक्रम मलेरिया/डेंगू/फाईलेरिया एवं महामारी नियंत्रण एवं जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा के सबंध में 04 जुलाई 2024 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के सभागार में खंड विस्तार अधिकारी/प्रभारी खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, प्रभारी जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक चिकित्सा संदीप ताम्रकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दुर्ग के मार्गदर्शन में आर.एम.एन.सी.एच. श्रीमती शोभिका गजपाल, जिला महामारी विशेषज्ञ दुर्ग श्रीमती रितीका मसीह एवं डीपीएचएनओ दुर्ग श्रीमती प्रीतिका पवार, दुर्ग द्वारा समस्त खंड विस्तार अधिकारी/प्रभारी खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी को प्रशिक्षण दिया गया। इसी क्रम में 04 जुलाई 2024 को खालसा पब्लिक स्कूल दुर्ग में जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मलेरिया अधिकारी दुर्ग के द्वारा शासकीय एवं निजी स्कूलों के प्राचार्यों को राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डेंगू/मलेरिया/फाइलेरिया, महामारी नियंत्रण के अंतर्गत उल्टी-दस्त, पीलिया एवं जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

बीमारियों की संभावना को देखते हुए खाद्य सुरक्षा टीम का औचक निरीक्षण

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पदेन उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला दुर्ग के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा जिले में फैले डायरिया और बरसाती मौसम में संक्रमित खाद्य पदार्थों की वजह से होने वाली बीमारियों की संभावना के मद्देनजर खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का व्यवसाय करने वालों समेत शहर एवं गांव के समस्त छोटे बड़े होटलों में साफसफाई बनाए रखने के लिए औचक निरीक्षण जारी है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से मिली जानकारी अनुसार निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के सही रख-रखाव पीने के पानी का उचित पात्र में साफ स्वच्छ जल का भण्डारण करने, खाद्य पदार्थों का मक्खी से बचाव हेतु ढ़क कर रखने अखाद्य रंग का उपयोग न करने खाद्य रंग का सीमित मात्रा में उपयोग करने, अखबारी पेपर का उपयोग न करने फ्रेश तेल में तीन बार से अधिक खाद्य पदार्थों को न तलने हेतु हिदायत दी गई है। साथ ही 02 जुलाई 2024 से लगातार जिला दुर्ग में संचालित दुध एवं दुध उत्पाद विक्रेता फर्मो की निरीक्षण एवं नमूना संकलन की कार्यवाही जारी है। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से जांच की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर पिंकी राय के अवैध ढाबे पर चला बुलडोजर

श्रमबिन्दु / भिलाई

नेवई थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर पिंकी राय उर्फ विजेन्द्र राय के अवैध ढाबे पर शुक्रवार को बुलडोजर चलवाकर नेस्तनाबूद कर दिया गया। दुर्ग से उतई रोड पर मरोदा में बीएसपी की लगभग 10 हजार वर्ग फीट जमीन पर पिंकी राय का अवैध कब्जा था। इस कब्जे वाली जमीन पर छत्तीसगढ़ फैमिली ढाबा का संचालन किया जा रहा था। मारपीट और अपहरण के मामले में जेल में बंद पिंकी राय पर 25 से भी ज्यादा अपराध कायम है।

ग्लोब चौक पर पिछले दिनों हुए गोली कांड के बाद बीएसपी प्रवर्तन विभाग की आक्रामकता देखते बन रही है। इसका ताजा उदाहरण आज फिर एक बार देखने को मिला है। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बीएसपी प्रवर्तन विभाग की टीम ने आज उतई रोड पर मरोदा में स्थित छत्तीसगढ़ फैमिली ढाबा पर बुलडोजर चलवा दिया। इस ढाबे का संचालन बीएसपी की जमीन पर अवैध निर्माण कर हिस्ट्रीशीटर पिंकी राय उर्फ विजेन्द्र राय के द्वारा किया जा रहा था। इस वक्त पिंकी राय जेल में बंद है। उसके खिलाफ नेवई सहित अलग-अलग थानों में हत्या का प्रयास, बलवा, मारपीट जैसे 25 से भी ज्यादा अपराध कायम है।

यहां पर यह बताना लाजिमी होगा कि जुलाई 2021 को हिस्ट्रीशीटर पिंकी राय की कार पर दूसरे प्रतिद्वंद्वी गैंग ने मरोदा टंकी क्षेत्र में गोली चला दी थी। वहीं 23 मई 2024 को विपिन सिरसाम का नगर निगम रिसाली के तामेश दुकान के पास रात 10 बजे अपहरण किया। पहले उससे मारपीट की और उसके बाद पिंकी राय, शैलेष निर्मलकर एवं ओम चौधरी ने अपनी नीले रंग की एक्सयुवी 700 कार में बैठाकर अपनी दुकान राय ट्रेडर्स आफिस में ले गए। दुकान का शटर बंद कर तीनों ने विपिन के साथ मारपीट की। इस मामले में प्रार्थी की रिपोर्ट पर उपरोक्त धारा 294,323,506,365,342,34 भादवि का अपराध कायम कर गिरफ्तारी हुई थी। ताजा मामले में सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि बीएसपी द्वारा असामाजिक तत्वों के अवैध कब्जों को ध्वस्त करने अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बदमाश पिंकी राय के अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई में सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस बल उपलब्ध कराया गया।

ग्लोब चौक गोलीकांड के फरार आरोपी अमित जोश के दो साथी डागी व मुकुल सोना गिरफ्तार

श्रमबिन्दु / भिलाई

ग्लोब चौंक के पास सेक्टर 10 मे गोली चलाने वाले फरार आरोपी अमित जोश के साथी सागर बाघ उर्फ डागी एवं मुकुल सोना को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार आरोपियों की पतासाजी के दौरान आरोपी सागर बाघ उर्फ डागी के नागपुर में होने की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल टीम को नागपुर रवाना कर आरोपी को नागपुर मे घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त बजाज पल्सर मोटर सायकल एवं एक धारदार चाकू बरामद किया गया है।

इसी प्रकार घटना में संलिप्त फरार आरोपी मुकुल सोना के केलाबाड़ी दुर्ग मे होने की जानकारी प्राप्त होने पर टीम द्वारा घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया।

आरोपी की तलाशी लिये जाने पर इसके कब्जे से एक नग पिस्टल का मैग्जीन, दो जिंदा कारतुस एवं एवं एक धारदार चाकू बरामद किया गया है। इस घटना मे अब तक पांच आरोपियों जिसमे अंकुर शर्मा, यशवंत नायडू, अमित जोश के जीजा बी. लक्की जार्ज मां बिज्जी मोरिस एवं उसके साथी शंकर भाट को पुर्व मे ही गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया गया है। फरार आरोपी अमित जोश की लगातार पतासाजी जारी है।

आत्मनिर्भर भारत अंतर्गत ऑयल पॉम योजना

श्रमबिन्दु / दुर्ग

भारत देश में खाद्य तेल की बढ़ती मांग एवं आयात पर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अंतर्गत ऑयल पॉम योजना प्रारंभ किया गया है। देश में पिछले लगभग 25 वर्ष से इस योजना द्वारा किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। 3एफ ऑयल पॉम प्रायवेट लिमिटेड और छत्तीसगढ़ शासन के साथ हुए अनुबंध के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के साथ दुर्ग जिले में कार्यरत् है। ऑयल पॉम केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की संयुक्त परियोजना है, हमारे देश में खाद्य तेल के कमी के कारण इसे इंडोनेशिया एवं मलेशिया से आयात करते हैं, परन्तु वहां भी इसकी कमी हो रही है, इस वजह से देश में खाद्य तेलों के भाव बढ़ते जा रही हैं। आत्मनिर्भर होने एवं कृषकों की आय वृद्धि हेतु उद्यानिकी विभाग द्वारा ऑयल पॉम का क्षेत्र विस्तार इस क्षेत्र में तेजी से किया जा रहा है। ऑयल पॉम योजना के अनुसार उच्च गुणवत्ता के ऑयल पॉम पौधा कृषकों को प्रदाय किया जाएगा। साथ ही उसकी उपज शासन द्वारा निर्धारित मूल्यों पर खरीदी सुनिश्चित की जाएगी। उप संचालक उद्यानिकी श्रीमती पूजा कश्यप साहू ने बताया कि ऑयल पॉम में कृषकों को प्रथम चार वर्ष तक 5250 रूपए प्रति हेक्टेयर की दर से पौधरोपण कार्य एवं रख-रखाव, अंत: फसल हेतु हेतु 5250 प्रति हेक्टेयर की दर से, टपक सिंचाई, 15000 रूपए एवं बोरवेल हेतु 50000 रूपए आदि हेतु सरकार द्वारा नियमानुसार अनुदान भी कृषकों को दिया जाता है।

फाईट द बाइटः जान लेवा 3 बीमारी, सतर्कता और जागरूकता से बचा सकते है खुद की और दूसरों की जान...

श्रमबिन्दु / रिसाली

निचली बस्ती हो या फिर पॉश कालोनी मच्छर का प्रकोप हर जगह होता। मच्छर के काटने से डेंगू, चिकन गुनिया, मलेरिया जानलेवा बीमारी समेत फाइलेरिया से बचाव हम खुद कर सकते है। जरूरत है सप्ताह में एक दिन बस आधा घंटा समय की। यह समय न केवल स्वयं को स्वस्थ्य रखेगा बल्कि महामारी को पनपने से रोकेगा। शुक्रवार को नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा और जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सी.बी.सी. बंजारे ने कार्यशाला में बचाव के तरीकों को विस्तार से बताया। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के सुपरवाइजर, आजीविका विभाग के सिटी मिशन प्रबंधक, सी.आर.पी समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। खास बात यह है कलेक्टर ऋचा प्रकाश चैधरी फाईट द बाइट अभियान को प्राथमिकता से जिले में लागू किया है।

आयुक्त मोनिका वर्मा ने कहा कि कर्मचारी प्रत्येक बुधवार को अपने कार्य स्थल पर सफाई करें और रविवार को अपने घर और आस पड़ोस में आधा घंटे समय

खुद के लिए निकालने प्रेरित अवश्य करे। वहीं जिला मलेरिया अधिकारी ने बचाव के तरीके को विस्तार से बताया।

आप आधा घंटे में यह करे

- सबसे पहले कूलर को साफ करें। अगर आपको कूलर के टैंक में लार्वा या फिर कूलर में कीड़े नजर आए तो टेमीफॉस डाले ओर 1 घंटे तक कूलर में लगे टुल्लू पंप को चालू रखे। इसके बाद पानी को खाली कर दे।
- घर के आंगन, किचन गार्डन और छत को अच्छे से देखे कि ऐसा कोई बर्तन, खिलौना का टुकड़ा या फिर ऐसा कोई चीज तो नहीं पड़ा है, जिसमें बारिश का पानी जमा हो।
- घर के परिसर में खुले में डस्टबीन रखा है तो उसे ढक कर रखे।
- घर के आस पास पानी ठहराव न होने दे।

अनदेखी करने पर होगी कार्रवाई

आयुक्त मोनिका वर्मा ने निगम के स्वास्थ्य और राजस्व विभाग को निर्देश दिए कि घरों में टेमीफॉस दवा उपलब्ध कराए। साथ ही बीमारी से बचने के तरीके को बताए। अगर लापरवाही होती है तो महामारी एक्ट के तहत पहली बार 500 दूसरी बार 1000 तीसरी बार 2000 जुर्माना वसूल करे। इसके बाद भी घरों में अगर लार्वा मिला तो बिना सूचना के नल कनेक्शन विच्छेद की कार्रवाई करे।

इसे रखे याद

डेंगू या मलेरिया मच्छर के काटने से होता है। एक बार में मच्छर 200-2500 अंडे देता है और 7 दिवस के अंदर लार्वा से मच्छर बनने की प्रक्रिया पूरी हो जाती है।अगर आपके यहां खाली जगह है, गमला है, या फिर फुलवारी है तो आप तुलसी, श्यामा तुलसी, पुदीना, दौना, लेमनग्रास, लहसून या फिर अजवाइन का पौधा अवश्य लगाए। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि इसके सुगंध से मच्छर दूर हो जाते है।

आप श्रमदान अवश्य करे

रिसाली निगम प्रत्येक शनिवार को तालाबों की सफाई करा रहा है। तालाब के पानी के किनारे नमी की वजह से घास ऊग आते है। घास और पानी के बीच मच्छर अंडा देता है। अगर इसे नजर अंदाज किया गया तो बल्क में मच्छर होगा। इससे आस पास की आबादी प्रभावीत होगी। आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि इस अभियान के महत्व को समझते हुए नागरिक अपनी भूमिका अवश्य तय करे।

जन स्वास्थ्य विभाग इस पर करेगा फोकस

- बंद आवास में पानी तो नहीं बह रहा।
- गली मुहल्ले में पानी जमा तो नहीं हो रहा।
- ठेले व गुमटी संचालक दुकान के पीछे खुले में पानी स्टोर कर तो नहीं रहे है।
- टायर खुले या दुकानों में जमा कर रखा तो नहीं गया है।
- बाजार में कही सब्जी व फल के अवशेष तो खुले में नहीं फेका गया है।

कलेक्टर चौधरी ने विद्युत और क्रेडा विभागों के कार्यो की समीक्षा

स्मार्ट मीटर लगाने हेतु घर-घर किया जाए सर्वे...

श्रमबिन्दु / दुर्ग

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (सीएस पीडीसीएल) और क्रेडा के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने वर्तमान में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, सुरक्षा के प्रबंध, आरडीएसएस योजना, स्मार्ट मीटर एवं ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता की जानकारी ली।

उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को स्मार्ट मीटर लगाने हेतु घर-घर सर्वे करने के निर्देश दिए। बिजली संबंधी प्राप्त शिकायतों का तत्परता से निदान पर बल देने हुए आवश्यकता अनुसार ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य भी किया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही नवीन सबस्टेशन के लिए स्थान चिन्हित करने को कहा। उन्होंने शासकीय कनेक्शन की बकाया राशि के बारे में भी जानकारी ली।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि फीडर सेग्रीगेशन अर्थात कृषि के लिए समर्पित बिजली आपूर्ति लाइनों की स्थापना का कार्य किया जा रहा है। आरडीएसएस योजना के अंतर्गत कृषि पंपों के पृथक्करण (सेग्रीगेशन) का काम किया जा रहा है, जिसके तहत कुल 24 फीडर चिन्हित किए गए हैं, जिसमें 317 किलोमीटर लाईन का सेग्रीगेशन किया जाना है। उक्त में से 9 फीडर का 108 किलोमीटर का पृथक्करण (सेग्रीगेशन) किया जा चुका है। 11 फीडर का काम प्रगतिरत है। शेष 4 फीडर का काम प्रारंभ किया जाना है। स्मार्ट मीटर के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि जिले में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है, जिसमें दुर्ग ग्रामीण व शहरी में 694 उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट मीटर लगाया जा चुका है। शेष स्मार्ट मीटर लगाने हेतु घर-घर में सर्वे किया जा रहा है। साथ ही मेंटेनेन्स का कार्य भी किया जा चुका है।

क्रेडा अधिकारी ने बताया कि विद्युत पहुंच विहीन क्षेत्रों के कृषकों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयोजन से सौर सुजला योजना के माध्यम से सोलर पंप स्थापित कर कृषकों को लाभान्वित किया जा रहा है। बैठक मे कार्यपालन अभियंता डी.के.भारती, सी.एल.साहू, छगन शर्मा,अनिल कुमार, बी.के.वर्मा, रवि कुमार दानी एवं क्रेडा से संकेत द्विवेदी उपस्थित थे।

स्वामी / प्रकाशक / शिव श्रीवास्तव द्वारा विकास प्रकाशन 208 आकाशगंगा भिलाई से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-दिलीप श्रीवास्तव, जगदलपुर स्थानीय संपादक - अर्जुन झा * पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-पुरेन्द्र देशमुख। फोन : 07883558190, मो. 9425228630